तापमान

अधिकतम 44.8 डिग्री

न्यूनतम 28.2 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शनिवार 23 मई 2026

14 डीएपी की खपत कम करने इस बार किसानों ...

15 परसकोल-सुखरीकला के किसानों का 75 लाख ...

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यू

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

एंगल और सोलर पैनल चोरी करने वाले धरे गए

भिलाई। खेत से लोहे का एंगल और सोलर पैनल चोरी करने वाले युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उतई पुलिस ने बताया कि पुरई निवासी डोमार सिंह साहू, धौराभाठा अश्वनी साहू ने शिकायत किया था कि उनके खेतों से लगातार चोरी हो रही है। पुलिस ने जांच शुरु किया। घटनास्थल के आसपास से बाइक सीजी 07 सीडब्लू 3027 के आधार पर आरोपियों का शिनाख्त हो पाया। घटना में शामिल नेवई भाठा निवासी राजू महिलांगे,नेवई बस्ती वार्ड 64 भूपत निर्मलकर, ग्राम चिरपोटी रामकुमार साहू व पत्नी को पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए लोहे के एंगल, सोलर पैनल, बिजली झटका मशीन, बाइक जब्त किया गया। लंबे समय से उतई थाना क्षेत्र से चोरी की वारदातों की शिकायत लगातार मिल रही थी। कार्रवाई में थाना प्रभारी महेश ध्रुव समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

मांस-मछली बेचने वालों पर लगा जुर्माना

भिलाई। भिलाई नगर निगम की टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 3 (मॉडल टाउन) एवं वार्ड क्रमांक 1 (जुनवानी) के अंतर्गत आने वाले जुनवानी मार्केट के पास एक विशेष कार्रवाई अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सड़क किनारे और खुले में अवैध रूप से चिकन एवं मछली का व्यवसाय करने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की गई। जुनवानी मार्केट के पास खुले में व्यवसाय कर गंदगी फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने वाले 5 दुकानदारों से कुल 950 (नौ सौ पचास रुपये) का दंडात्मक शुल्क वसूला गया। साथ ही, सभी संबंधित व्यवसायियों को दोबारा खुले में चिकन एवं मछली का विक्रय न करने की कड़ी समझाइश दी गई और उक्त स्थल को पूरी तरह से खाली कराया गया। जिसमें अशोक महतो, संतोष साहनी, रामदयाल,मोहम्मद अकबर,और जामिल कुरैशी शामिल हैं।

प्रदेश में सबसे ज्यादा तपा दुर्ग, पारा 44.8 डिग्री, पूरे दिनभर चली लू, 26 से बारिश होगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिला का पारा दूसरे दिन भी 44 डिग्री सेल्सियस से पार रहा। शुक्रवार को पारा 44.8 डिग्री सेल्सियस चला गया। जो प्रदेशभर में सबसे ज्यादा रहा। पिछले एक दिन पहले यानी गुरुवार को अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस था। इस हिसाब से पारा सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जो सामान्य से 09 डिग्री सेल्सियस माइनस रहा। हाल यह था कि पूरे दिन ट्विनसिटी लू की चपेट में रही। गर्म हवाओं ने लोगों का घर से निकलना मुश्किल कर दिया।

इस तरह चला सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण अंदरूनी उड़ीसा और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से अंदरुनी उड़ीसा छत्तीसगढ़ होते हुए 1.5 कम ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान और उसके आसपास 3.1 कम ऊंचाई तक विस्तारित है।

मौसम का तेवर : लू ने वीरान कर दी भिलाई-दुर्ग की सड़कें

- प्रदेश के बस्तर संभाग में 26 मई से वर्षा का दौर प्रारंभ होने की संभावना जताई जा रही
- मध्य क्षेत्र में 29 मई से वर्षा की गतिविधि प्रारंभ होने का अनुमान, गर्मी से मिलेगी राहत

तीन दिनों में 2 डिग्री बढ़ेगा पारा

मौसम विभाग के मुताबिक 23 मई को मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है । जिसकी वजह से अधिकतम तापमान में अगले तीन दिनों में 2 डिग्री के आसपास वृद्धि होने की संभावना है। इस हिसाब से पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। पिछले साल मई में पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक जा चुका है। प्रदेश के बस्तर संभाग में 26 मई से वर्षा का दौर प्रारंभ होने की संभावना है। मध्य क्षेत्र में 29 मई से वर्षा की गतिविधि प्रारंभ होने की संभावना बन रही है।

मीडिया को जानकारी देने से बचते रहे परिजन, सामूहिक आत्महत्या या हत्या

खत्म हो गया पूरा परिवार, सुसाइड नोट में पारिवारिक विवाद का उल्लेख, पीएम के बाद होगा बड़ा खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग के आर्य नगर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। घर के भीतर पति-पत्नी फांसी के फंदे पर लटके मिले, जबकि उनके दो मासूम बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है। फिलहाल मोहन नगर थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं। पूरे शहर की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आर्य नगर मौत कांड के पीछे की असली कहानी क्या है।

जानकारी के मुताबिक, घर के एक कमरे में गोविंद साहू (45 वर्ष) फांसी के फंदे पर लटके मिले। वहीं दूसरे कमरे में उनकी पत्नी चंचल साहू (40 वर्ष) भी फांसी पर लटकी हुई मिलीं। जिस कमरे में महिला का शव मिला, उसी कमरे में उनकी पुत्री दृष्णा साहू (13 वर्ष) और पुत्र यशांत साहू (11 वर्ष) मृत अवस्था में बिस्तर पर पड़े मिले। बताया जा रहा है कि गोविंद साहू का संयुक्त परिवार है। मकान के एक हिस्से में उसका छोटा भाई अपने परिवार, मां और बहन के साथ रहता है, जबकि दूसरे हिस्से में गोविंद अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। हैरानी की बात यह रही कि इतनी बड़ी घटना की भनक घर के दूसरे सदस्यों को नहीं लगी।

ज्वाइंट फैमली होने के बाद भी परिवार के दूसरे सदस्यों को भनक तक नहीं लगी

पुलिस को सुबह करीब 8.30 बजे मिली सूचना

जानकारी के अनुसार सुबह जब घर में कोई हलचल नहीं हुई तो गोविंद की मां दरवाजा खटखटाई। जब अंदर से कोई आवाज नहीं आया तो परिवार के दूसरे सदस्यों को बुलाई। दरवाजा तोड़कर कमरे की ओर गई। अंदर का दृश्य देखकर सभी के होश उड़ गए। परिवार के चारों सदस्यों की लाश देखकर उन्होंने सुबह करीब 8:30 बजे पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन सिंह राठौर, फॉरेंसिक टीम और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के बाद चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें पारिवारिक विवाद का उल्लेख किया गया है। बताया जाता है कि गोविंद साहू एक निजी कंपनी में काम करता था। साथ ही सुपेला क्षेत्र में उसकी एक प्रिंटिंग प्रेस भी संचालित थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

सुसाइड के साथ-साथ हत्या के एंगल से भी जांच हो

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के मामले में दुर्ग अधिवक्ता संघ के सचिव रविशंकर सिंह का कहना है कि पुलिस को किसी एक निष्कर्ष पर जल्दबाजी में नहीं पहुंचना चाहिए और हर एंगल से निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। रविशंकर सिंह ने कहा कि घटनास्थल से जो परिस्थितियां सामने आई हैं, वे कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं को समान गंभीरता से जांचे। उन्होंने कहा कि यदि घटनास्थल से मिला सुसाइड नोट वास्तव में किसी बच्चे की हैंडराइटिंग जैसा प्रतीत हो रहा है, तो यह बेहद महत्वपूर्ण तथ्य है। ऐसी स्थिति में पुलिस को नोट की हैंडराइटिंग, उसकी भाषा, लिखने का समय और परिस्थितियों की फॉरेंसिक जांच करानी चाहिए। केवल एक सुसाइड नोट मिलने भर से पूरे मामले को आत्महत्या मान लेना उचित नहीं होगा। इसलिए पुलिस को बिना किसी दबाव और पूर्व धारणा के निष्पक्ष तरीके से जांच करनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और यदि किसी प्रकार का अपराध हुआ है तो दोषियों पर कानूनी कार्रवाई हो सके।

शराब पीने का था आदि मौके से मिली कई बोतलें

मोहल्ले में इस बात की भी चर्चा है कि मृतक गोविंद साहू शराब पीने का आदी था और शेयर मार्केट में भी पैसे लगाता था। पुलिस को मौके से कई शराब की बोतलें भी मिली है। पुलिस आर्थिक तनाव, पारिवारिक विवाद और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना की जांच में जुटी पुलिस फिलहाल यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि मामला सामूहिक आत्महत्या का है या फिर हत्या के बाद खुदकुशी का। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग पर भी सवाल, पुलिस कराएगी हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच

घटना के बाद मृतक गोविंद साहू के भाई और अन्य परिजन मीडिया से दूरी बनाते नजर आए। किसी ने भी खुलकर घटना को लेकर कोई जानकारी नहीं दी। इधर घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि नोट की हैंडराइटिंग किसी बच्चे जैसी प्रतीत हो रही है। यही वजह है कि पुलिस अब हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से उसकी जांच कराने की तैयारी कर रही है। मामले में यह आशंका भी जताई जा रही है कि पहले दोनों बच्चों को नशीली दवा देकर बेहोश किया गया और उसके बाद उनका गला दबाकर हत्या की गई। सूत्रों के मुताबिक दोनों बच्चों के गले पर निशान भी मिले हैं। हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी।

कृषि विस्तार अधिकारी को एसटीएससी एक्ट में उम्र कैद नौकरी से भी किया बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

दुर्ग संभाग के मानपुर में पदस्थ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी देवनारायण साहू को संयुक्त संचालक कृषि संभाग गोपिका गभेल ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। देवनारायण पर एसटीएससी एक्ट के एक मामले में दोषसिद्ध पाया गया था। न्यायालय से उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इसके बाद बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई। विशेष न्यायालय एससी एसटी अत्याचार निवारण अधिनियमरायपुर द्वारा गंभीर आपराधिक प्रकरण में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। संयुक्त संचालक ने शासन के नियमों के तहत नौकरी से निष्कासित किए जाने के बाद अब वे भविष्य में किसी भी शासकीय नियोजन के लिए पूरी तरह से अयोग्य होंगे। इसके साथ ही दोषसिद्धि की तिथि से उन्हें किसी भी प्रकार के शासकीय सेवा परिलाभों की पात्रता नहीं होगी। मानपुर के अंबागढ़ चौकी के क्षेत्र सीतागांव में पदस्थ रहे ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी देवनारायण साहू के विरुद्ध नगर पुलिस अधीक्षक माना रायपुर द्वारा भारतीय न्याय संहिता, 2023 एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर 8 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया था। इस हेतु उन्हें पूर्व में उप संचालक कृषि, जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित भी किया गया था। इस गंभीर आपराधिक मामले में अंतिम फैसला

- नैतिक पतन और गंभीर कदाचरण के मामले में कोर्ट के आदेश पर संयुक्त संचालक कृषि ने जारी किया आदेश

सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश ने 2 मई को देवनारायण साहू को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(ड), धारा 69 और एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(2)(ट) के तहत दोषी पाते हुए क्रमशः 10-10 वर्ष के कठोर कारावास तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास सहित अर्थदंड से दंडित किया था। इसके बाद बर्खास्तगी का अंतिम आदेश जारी किया गया।

हत्या का प्रयास करने वाले एक आरोपी और तीन नाबालिग पकड़े गए

भिलाई। पंजाब बार के पास मारपीट कर हत्या करने का प्रयास के मामले में पुलिस ने एक आरोपी व तीन विधि बालको को पुलिस ने पकड़ा है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि न्यू दीनदयाल कॉलोनी खम्हरिया जुनवानी निवासी ज्ञानेश साहू उर्फ आकाश बड़े भाई आशीष साहू और परिचित के साथ पंजाब बार गया हुआ था। तभी आशीष बाहर निकला तो 4 अज्ञात युवकों ने उसके साथ विवाद व गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। बियर के कांच की बोतल व धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। पुलिस में शिकायत के बाद मुखबिर ने सूचना दिया कि आरोपी डेरा बस्ती फरीद नगर वार्ड 7 सुपेला निवासी प्रेम नेताम, तीन विधी बालको को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

निगम प्रशासन और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त कार्रवाई, फोरलेन सड़क का होना है निर्माण

महाराजा चौक से बोरसी तक 200 कब्जे, निगम ने शुरू किया हटाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर निगम प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग ने महाराजा चौक से बोरसी मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण और प्रस्तावित निर्माण कार्यों को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को जेसीबी की मदद से कब्जा हटाया गया। मार्ग पर 200 से ज्यादा कब्जे चिन्हित किए गए हैं। सभी को नोटिस जारी किया गया है।

हटाने की कार्रवाई की जा रही है। महाराजा चौक से बोरसी मार्ग चौड़ीकरण तथा मिनीमाता चौक पुलगांव से जेल तिराहा चौक तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण एवं पाइपलाइन शिफ्टिंग कार्य को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। लगातार निरीक्षण और कार्रवाई का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। कई स्थानों पर अतिक्रमणकर्ता स्वयं आगे आकर अपने कब्जे और निर्माण हटा रहे हैं, जिससे सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी आने की संभावना बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार स्थायी एवं अस्थायी रूप से दुकान, बाउंड्रीवाल, पक्के निर्माण, शेड एवं अन्य निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था, जिससे प्रस्तावित विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। प्रशासन द्वारा अब इन बाधक निर्माणों को हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार प्रफुल गुप्ता, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, उप अभियंता विनोद मांझी, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर एके यदु, विकास चन्द्राकर सहित अन्य मौजूद थे।

गिरीश दीवान ने बताया कि महाराजा चौक से बोरसी तथा महाराजा चौक से मिनी माता चौक तक लगातार निरीक्षण कर बाधक अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां लोग स्वयं अतिक्रमण हटा रहे हैं, वहीं आवश्यक स्थानों पर निगम द्वारा जेसीबी की सहायता से निर्माण हटाया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने संबंधित लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कार्रवाई के दौरान होने वाले नुकसान के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होंगे।

खबर संक्षेप

बीएसपी में अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन कार्यक्रम

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस इस्पात भवन स्थित आईबी कॉन्फ्रेंस हॉल में मनाया गया। महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर के मार्गदर्शन में मानव संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। तेजी से परिवर्तित हो रहे कार्य परिवेश में मानव संसाधन की बदलती भूमिका पर चर्चा की गई। संवाद सत्र में कार्यस्थल की उभरती चुनौतियाँ, मानव संसाधन प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बढ़ता उपयोग, डिजिटल परिवर्तन के दौर मे जटिल एवं गतिशील कार्य वातावरण में प्रभावी मानव प्रबंधन पर चर्चा हुई। वरिष्ठ महाप्रबंधकों ने अपने कार्यकाल के दौरान प्राप्त चुनौतियों, उनसे मिली सीख तथा युवा मानव संसाधन अधिकारियों के लिए प संदेश प्रदान किए। श्री ठाकुर ने मानव संसाधन कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु नॉलेज मैनेजमेंट व स्टोरी टेलिंग की महत्ता पर बल दिया।

प्रबंधक के खिलाफ गबन का मामला दर्ज

भिलाई। बारदाना कम पाए जाने के मामले में पुलिस ने प्रबंधक के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। जामगांव आर पुलिस ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग द्वारा सेवा सहकारी समिति कुम्हली खरीफ वितरण 2025- 26 में कुल 53,956.40 क्वि.धान खरीदी कर अप्रैल तक परिवहन किया। खाद्य एवं सेवा सहकारिता विभाग के अधिकारियों द्वारा सेवा सहकरी समिति मर्यादित कुम्हली, उपार्जन केन्द्र कुम्हली में 23 अप्रैल को जांच, भौतिक सत्यापन किया। जिसमें कुल 690.70 क्वि.धान और 3057 बारदाना कम पाया गया। सेवा सहकारी समिति कुम्हली,उपार्जन केन्द्र कुम्हली के समिति प्रबंधक अतुल कुमार वर्मा के द्वारा कुल 23 लाख 54 हजार 815 रूपये गबन किया गया।

जेआरडी स्कूल बनेगा रोल मॉडल, नीट और जेईई के लिए मिलेगी कोचिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शहर के सबसे पुराने एवं ऐतिहासिक जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल के संरक्षण और शैक्षणिक उन्नयन को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षा विभाग एवं आरईएस के अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। देश की आजादी से पूर्व स्थापित इस विद्यालय से दुर्ग शहर की कई पीढ़ियों की भावनात्मक स्मृतियाँ जुड़ी हुई हैं।

वर्षों से यह विद्यालय न केवल शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है, बल्कि शहर की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति, आवश्यक मरम्मत, संरचनात्मक मजबूती तथा उसके मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के विषय में शिक्षक और इंजीनियरों से विस्तृत चर्चा की गई।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को स्कूल को बेहतर बनाने के लिए किया निर्देशित

जेआरडी स्कूल को बताया विरासत कहा- आधा शहर पढ़कर निकला

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जेआरडी स्कूल केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि दुर्ग शहर की विरासत और पहचान है। इस विद्यालय से हजारों विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां से पढ़कर निकले विद्यार्थी आज देश-प्रदेश के अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। खेल, साहित्य, पत्रकारिता, कला, पुलिस, सेना, राजनीति एवं प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने दुर्ग का नाम गौरवान्वित किया है। स्वयं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव भी इसी विद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं, जिसके कारण इस संस्था से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है।

सुपर 30 क्लास की योजना : जेआरडी स्कूल में सुपर-30 योजना प्रारंभ करने की दिशा में भी पहल की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत नीट एवं जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशेष कोचिंग, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य दुर्ग एवं आसपास के विद्यार्थियों को बड़े शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को भी बेहतर अवसर मिल सकें।

टैगोर हाल का होगा रिनोवेशन

विद्यालय परिसर स्थित ऐतिहासिक टैगोर हॉल का भी निरीक्षण किया गया। यह हॉल वर्षों तक दुर्ग शहर की प्रमुख गतिविधियों का केंद्र रहा है। उस समय जब शहर में बड़े सभागारों का अभाव था, तब अनेक महत्वपूर्ण शासकीय प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामाजिक आयोजन इसी हॉल में आयोजित होते थे। शहर के नागरिकों एवं प्रशासनिक व्यवस्था से इस हॉल का गहरा संबंध रहा है। आरईएस विभाग के इंजीनियरों ने जानकारी दी कि टैगोर हॉल का रेनोवेशन करते हुए इसे सुसज्जित किया जाएगा तथा इसमें अटैच बाथरूम सहित आवश्यक सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था, फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक कार्यों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

खेतिहर जमीन की उर्वरा को संरक्षित करने की पहल

डीएपी की खपत कम करने इस बार किसानों को सोसाइटियों से मिलेगा मिश्रित खाद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जिले में डीएपी खाद की खपत इस बार कम करने के लिए किसानों को मिश्रित खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। सहकारी सोसाइटियों में किसानों को यूरिया की जगह विकल्प के रूप में डीएपी के स्थान पर वैकल्पिक मिश्रित उर्वरकों का भी स्टॉक किया गया है।

मिश्रित उर्वरकों में 12:32:16, 20:20013, 16:15:16, 24240 एवं 28280 शामिल किया गया है। खास बात यह है कि यह मात्रा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित मात्रा है जो रकबे के हिसाब से तय की गई है। किसानों को इसकी जानकारी भी कृषि विभाग मैदानी स्तर पर दे रहा है। इस खाद के उपयोग से यूरिया की खपत कम होगी तथा फसल को संतुलित पोषक तत्व को भी बरकरार रखा जा सकता है। जमीन की उर्वरा शक्ति को भी संरक्षित किया जा सकेगा। इससे खेतों में उत्पादन भी बढ़ेगा।

खाद के उपयोग से यूरिया की खपत होगी कम

जिले के 1.32 लाख किसानों को बांटेंगे 67880 एमटी खाद

दुर्ग जिले में 1.32 लाख किसान हैं। इन किसानों को खरीफ 2026 हेतु कुल 67880 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में सहकारी एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में 12568 मीट्रिक टन यूरिया 2677 मीट्रिक टन डीएपी, 2000 मीट्रिक टन एनपीके, 4404 मौट्रिक टन एमओपी तथा 6411 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 29035 नीट्रिक टन उर्वरक भंडारण किया गया है। खाद सेवा सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है।

अब तक किसानों को बांटे खाद

जिले के 10 हजार 171 किसानों को 3700 मीट्रिक टन यूरिया, 1767 मीट्रिक टन डीएपी, 1264 मीट्रिक टन एनपीके, 1222 मीट्रिक टन एमओपी तथा 2217 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 10171 मीट्रिक टन खाद बांटे जा चुके हैं। वर्तमान में जिले में 8858 मीट्रिक टन यूरिया 910 मीट्रिक टन डीएपी, 1722 मीट्रिक टन एनपीके, 3182 मीट्रिक टन एनओपी तथा 4193 नीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 18865 मीट्रिक टन खाद शेष है।

खाद के साथ दूसरे की टैगिंग प्रतिबंधित

कृषि विभाग ने इस बार निजी खाद दुकानों पर सख्त रवैया अपनाएगा। खाद के साथ दूसरे सामग्री को नहीं बेच सकते। विभाग ने यूरिया, डीएपी, एनपीकेएमओपी. ,एसएसपी के साथ किसी अन्य सामग्री की टैगिंग प्रतिबंधित कर दी है। इसके लिए विभाग ने जिला स्तर पर एक निगरानी समिति का भी गठन किया है। यह समिति खाद के अवैध भंडारण, जमाखोरी कालाबाजारी, अधिक दर आदि के संबंध में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करेगी। सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक लेकर नियमानुसार उर्वरक का व्यवसाय करने हेतु निर्देश दिया गया है।

दलहन-तिलहन में हरी खाद

विभाग ने अनुदानित खरीफ वर्ष 2020 में धान सहित दलहन एवं तिलहन फसलों में परंपरागत उर्वरकों के साथ वैकल्पिक उर्वरकों नैनो यूरिया एवं डीएपी के साथ-साथ हरी खाद व जैव उर्वरक जैसे नील हरित काई, एजोरिपरिलियम, पी.एस.बी. इत्यादि के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक तैयारी की गई है।

पर्याप्त खाद उपलब्ध

जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। किसानों को समझाइश दी जा रही हैकि वे खाद का का अत्यधिक क्रय एवं उनके प्रयोग से बचे। सोसायटी या निजी विक्रय केन्द्रों से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित मात्रा के अनुसार फसल और रकबा के आधार पर उर्वरक का उठाव करें।

-संदीप भोई, उप संचालक कृषि

उरला नाला में अवैध प्लॉटिंग महापौर ने फटकारा, तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

आगामी बारिश को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहर में जलभराव एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार की सुबह महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों, निगम अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग एवं निगम अमले के साथ वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 क्षेत्र अंतर्गत उरला-बघेरा नाला पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बारिश के समय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए शहर के प्रमुख नालों की व्यापक सफाई, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने तथा जलभराव संभावित क्षेत्रों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। शंकर नाला मुक्तिधाम के पीछे से प्रारंभ हुए सफाई अभियान के तहत शंकर नगर नाला से अंतिम छोर पटरी पार वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 तक युद्धस्तर पर सफाई कार्य कराया जा रहा है। साथ ही संभावित जलभराव क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। बाघमार ने कहा कि निगम प्रशासन बारिश पूर्व सभी आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। शहर के प्रमुख नालों और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि बारिश के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एमआईसी मेंबर देवनारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्राकर, पार्षद सरस निर्मलकर आदि मौजूद थे।

अवैध प्लाटिंग पर निगम प्रशासन सख्त

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त वार्ड क्रमांक 57 क्षेत्र में नाला किनारे अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर स्थल निरीक्षण के लिए भी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने अवैध अतिक्रमण एवं नाला क्षेत्र के आसपास हो रहे निर्माण कार्यों पर सख्त रुख अपनाते हुए अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 57 अंतर्गत शंकर नगर नाला के अंतिम छोर पटरी पार बघेरा-उरला मार्ग क्षेत्र में चल रहे नाला सफाई कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों को सफाई कार्यों में गति बनाए रखने तथा बारिश पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

निगम आयुक्त ने किया जोन चार खुर्सीपार क्षेत्र का औचक निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं का जायजा लेने जोन-04 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक शौचालय, सामुदायिक भवन, निर्माणाधीन भवन, सड़क चौड़ीकरण और सड़क बाधाओं की जमीनी स्थिति को देखा। आयुक्त ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 40, छावनी मंगल बाजार स्थित सामुदायिक शौचालय के मरम्मत कार्य एवं सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। वार्ड क्रमांक 41, तिरंगा चौक के समीप स्थित स्कूल में विधायक निधि से किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य तथा समग्र शिक्षा मद से निर्माणाधीन भवन का अवलोकन कर कार्य जल्द पूरा करने को कहा। शासन द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी नगरोत्थान योजना के तहत बी.ई.सी. चौक से लेकर तिरंगा चौक तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

सामग्री रखने वालों पर चालानी कार्रवाई

मुख्य मार्ग पर रेत रखकर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ आयुक्त ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को सड़क पर अवैध रूप से निर्माण सामग्री रखने वालों के खिलाफ तत्काल चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, बसंत साहू, बालकृष्ण नायडू, हेमंत मांझी मौजूद थे।

कांग्रेस सेवादल ने मनाई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

भिलाई। भिलाई शहर जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा कैलाश नगर कुरूद वार्ड 21 पार्षद नेहा साहू के कार्यालय के पास पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 35 वीं पुण्यतिथि आतंकवादी विरोधी दिवस और बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। लोगों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि वे देश के संचार क्रांति के जनक, पंचायती राज के संस्थापक, युवाओं को मतदान का अधिकार 18 वर्ष में देना, जवाहर नवोदय विद्यालय के संस्थापक और आधुनिक भारत के निर्माता थे। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव जेआर साहू, राजेश प्रसाद गुप्ता, बलदेव महेश, लखी नारायण सोनी, दिनेश गुप्ता, तुलसी निषाद सहित कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आईपीएल सट्टा पैनल के लिए म्यूल खाता उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

हैदराबाद में संचालित ऑनलाइन आईपीएल सट्टा पैनल में पुलिस ने म्यूल खाता उपलब्ध कराने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छावनी

- 2 मोबाइल जब्त, ट्रांजेक्शन व अन्य जानकारी भी मिली

पुलिस ने बताया कि ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा पैनल पर कार्रवाई कर पहले 13 सटोरियों को पुलिस ने पकड़ा था। आरोपियों को रिमांड में लेने के बाद पूछताछ में म्यूल खाता उपलब्ध कराने वाले की जानकारी पुलिस को मिली। जांच में

पता चला कि सट्टा संचालन के लिए विभिन्न व्यक्तियों को पैसों का लालच देकर बैंक खाते, सिम कार्ड, चेकबुक, एटीएम कार्ड प्राप्त कर अवैध लेन-देन में उपयोग किया जाता था। तकनीकी जांच और मोबाइल कॉल डिटेल के विश्लेषण के आधार पर आरोपी कैम्प-2, चटाई क्वार्टर निवासी अमानउद्दीन उर्फ अमन की संलिप्ता पाई गई। जो म्यूल खाता दिलाया करता था। पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। आरोपी के पास से 2 मोबाइल जब्त किया गया। पैसों के ट्रांजेक्शन, म्यूल अकाउंट की जानकारी मिली।

सटोरिया कुणाल की संपत्ति की भी जांच

पुलिस सूत्रों के मुताबिक कुणाल वर्मा के संपत्ति की भी जांच करने में जुटी हुई है। लंबे समय से सट्टा का बड़ा कारोबार करने वाला कुणाल के पास कई संपत्ति अवैध कारोबार से अर्जित किया है। इसका सट्टे के लिए खाता उपलब्ध कराने का बड़ा राकेट भी है। म्यूल खाता उपलब्ध कराने वाला कैम्प-2, चटाई क्वार्टर निवासी अमानउद्दीन उर्फ अमन कुणाल का करीबी रहा है। पुलिस इसकी सारी जानकारी जुटाने में लगी हुई है। डीजे साउंड का संचालन करने वाला झंटू भी कुणाल का खासम खास है। सालों से ये सब मिलकर ऑनलाइन सट्टे का बड़ा कारोबार कर रहे थे।पुलिस के पकड़ने के बाद ही कुणाल की जानकारी सामने आई।

बीएमएस की आक्रोश रैली में शामिल होंगे 1 लाख से अधिक श्रमिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ द्वारा 1 अक्टूबर को रायपुर में आक्रोश रैली निकाली जाएगी। इसमें 1 लाख श्रमिक भाग लेंगे। दुर्ग जिला में इसके प्रचार के लिए रणनीति बनी।

बीएमएस की अंबिकापुर में हुई बैठक में तैयारी पर चर्चा हुई। बैठक में बीएमएस के कार्यसमिति सदस्य विभाग प्रयुख, जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री एवं विभिन्न यूनियन, महासंघ के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने जिले यूनियन एवं महासंघ में हुए कार्यों का वृत्त प्रस्तुत किया, प्रदेश महामंत्री दिनेश पांडे ने प्रदेश मे नए क्षेत्रीय संगठन मंत्री सी वी राजेश ने यूनियन गतिविधि बढ़ाने एवं यूनियन के कार्य क्षेत्र में विस्तार करने की आवश्यकता बताई। क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने कहा कि अब समय पत्र देने का नहीं खुलकर संघर्ष का है लगातार पत्र देने के बाद भी सरकार द्वारा यूनियन की मांग पर सकारात्मक पहल ना करने पर, सभी यूनियनों के विषय को लेकर एक बड़े आंदोलन की आवश्यकता बताई।

रायपुर में आक्रोश रैली को सफल बनाने पर चर्चा हुई। बताया, जिसमें सर्व सम्मति से एक अक्टूबर को राजधानी रायपुर में एक लाख श्रमिकों के साथ आंदोलन करना तय हुआ।राष्ट्रीय मंत्री राधेश्याम जयसवाल ने कहा कि श्रमिक क्षेत्र में श्रमिकों से संपर्क, नुक्कड़ सभा, पम्पलेट वितरण और गेट मीटिंग कर तैयारी करना होगा।

यह हैं मजदूरों की मांगें

दुर्ग जिले मेंबीएसपी के ठेका श्रमिकों की छटनी,सुविधाओं में असमानता, औद्योगिक क्षेत्र मे कर्मचारियों की छटनी,कम वेतन मिलना,उद्योगो मे वेतन समझौता, सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना,श्रमिकों को यूनियन बनाने से रोकना,अस्पताल कर्मचारियों से निर्धारित समय से अधिक कार्य करवाना और उनको उचित वेतन न देना । शासकीय विभागों एवं निगम मंडल में दस वर्ष से कार्य कर रहे संविदा कर्मियों को नियमित करना, ट्रक ड्राइवरो की समस्याओ, इलेक्ट्रिक आटो के लिए चार्जिंग प्वाईंट बनाना, आँगन बाडी, आशा वर्कर, रसोइया कर्मियों को श्रमिक का दर्जा देना, निर्माणी यूनियन के पदाधिकारियों को नियोजन का अधिकार देना, गिग वर्कर्स को सोशल सिक्योरिटी देना, परिवहन कल्याण बोर्ड की स्थापना करना, सुरक्षा गार्ड से 12 घंटे ड्यूटी के बाद कम वेतन देना, होटल कर्मियों के लिए पीएफ ईएसआई एवं कार्य घंटे लागू करवाना आदि मांगें शामिल हैं।

मंत्री यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई तकनीक से लैस है हाईटेक इमरजेंसी वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

जिले की पुलिस के पास 35 नई इमरजेंसी रिस्पांस वाहन (ईआरवी) मिले। इसके साथ चार हाईवे पेट्रोलिंग वाहन भी मिला है। इन वाहनों के शुरू होने से जिले की पुलिस पहले से अधिक हाईटेक होगी, क्षमता और तेज होगी। सड़क हादसे, अपराध या किसी भी आपात स्थिति में लोगों तक जल्दी मदद के लिए पहुंचेगी। जिसका शुभारंभ सेक्टर-6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में डायल-112 फेज 2 नेक्स्ट जेन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने नई डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि

- पुलिस कंट्रोल सेक्टर 6 में था आयोजन
- आईजी और एसएसपी समेत अफसर मौजूद थे

मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रही है। इसी सोच के तहत डायल-112 सेवा को नई तकनीक और आधुनिक संसाधनों से जोड़ा गया है। इन वाहनों में जीपीएस सिस्टम, पीटीजेड कैमरा, डैश कैमरा, मोबाइल डेटा टर्मिनल जैसी सुविधाएं हैं। कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी और घटनास्थल तक जल्दी पहुंचना अब आसान होगा। आईजी अभिषेक शांडिल्य ने कहा कि डायल-112 फेज-2 परियोजना पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में अहम पहल है। इससे पुलिस की प्रतिक्रिया और बेहतर होगी।

प्रमुख सड़कों पर तैनात होगा

नए वाहनों से लोगों को कम समय में मदद मिलेगी। हाईवे पर होने वाली हादसों में भी तुरंत कार्रवाई हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान नई डायल-112 वाहनों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि जिले में मिले सभी 35 ईआरवी और 4 हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों को अलग-अलग थाना क्षेत्रों और प्रमुख सड़कों पर तैनात किया जाएगा। साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी लोगों को जल्दी सहायता मिल सकेगी।

कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी को किया याद

भिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुपेला कोसा नगर द्वारा सुपेला स्थित नेहरू भवन में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में बृजमोहन सिंह, लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गवई, मो. रफीक, विनोद यादव, राजेंद्र महिलांग, अली हुसैन सिद्दीकी, दुर्गेश ताम्रकार, दिनेश वासनिक सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष नरसिंह नाथ ने वआभार प्रदर्शन इस्माइल खान ने किया।

बकायादारों से कर वसूली अभियान तेज, जोन-2 में 2.79 लाख रुपए जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया करों की वसूली हेतु अभियान लगातार चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन के निर्देशानुसार विभिन्न जोन क्षेत्रों में बकायादारों से संपर्क कर बकाया राशि जमा कराई जा रही है। जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत कर वसूली अभियान के दौरान 2 लाख 79 हजार रुपये की बकाया राशि जमा कराई गई। निगम की टीम द्वारा शेष बकायादारों को भी समय पर कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि बकाया करों की वसूली से निगम को विकास एवं जनसुविधाओं से संबंधित कार्यों में गति मिलेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय पर अपना कर जमा कर निगम प्रशासन का सहयोग करें, ताकि शहर में साफ-सफाई, सड़क, प्रकाश एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का कार्य बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके।

खबर संक्षेप

भाजपा मंडल बैठक कल

सेलूद। भारतीय जनता पार्टी पाटन मंडल के अंतर्गत शक्ति केंद्र स्तर पर बैठक 24 मई रविवार को रखी गयी है। जिसमें सुबह 10 बजे घुघुवा शक्ति केंद्र, 11 बजे पंडेंडोर शक्ति केंद्र व 12 बजे पतोरा शक्ति केंद्र में बैठक होगी। बैठक में सभी संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

निधन

शांति लाल साहू

भिलाई। पहंदा (अ), पाटन निवासी बीएसपी सेवानिवृत्त शांति लाल साहू 80 वर्ष का निधन 21 मई को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 22 मई शुक्रवार को पहंदा (अ) मुक्तिधाम में किया गया। वे कृषक झुम्मक लाल साहू के पिता, उदय राम साहू के ससुर, गजेंद्र साहू, कुलदीप साहू के दादा एवं शिक्षक चैलेन्द्र साहू, मोनू साहू के नाना थे।

मुआवजे की घोषणा के बाद किसान हुए संतुष्ट

परसकोल-सुखरीकला के किसानों का 75 लाख मुआवजा हुआ मंजूर, कलेक्टर का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

ग्राम परसकोल के किसानो को लगभग 40 साल एवं सुखरीकला के किसानों को लगभग 3 साल बाद मुआवजा राशि दिए जाने की घोषणा के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। किसानों ने कलेक्टर अभिजीत सिंह से मुलाकात कर उनका शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया तथा किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु आभार व्यक्त किया।

किसानों ने कहा कि प्रशासन द्वारा वर्षों पुरानी मांग को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक निर्णय लिया गया, जिससे सैकड़ों किसान परिवारों को राहत मिली है। किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक ने इस निर्णय को किसानों की एकता और लंबे संघर्ष की जीत बताया।

किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि किसान बंधु संगठन हमेशा किसानों की समस्याओं को मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने किसानों की पीड़ा को समझते हुए न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि सुखरीकला के किसानों को लगभग 20 लाख रुपये तथा परसकोल के किसानों को लगभग 55 लाख रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत हुई है। किसानों ने इसके लिए जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं समस्त इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल, अध्यक्ष आत्मा साहू, ,जीवन चंदेल, तेजराम चंदेल इत्यादि धमधा क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

बिजली कटौती रोकने और 11 केवी लाइन हटाने उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओखरा मुरमुंदा

अहिवारा विधानसभा मुरमुंदा मंडल के अंतर्गत ग्राम पंचायत नारधा में सुशासन तिहार मनाया गया। जिसमें मुरमुंदा मंडल में बिजली कटौती एवं ग्राम पंचायत अछोटी व बोरसी के आबादी क्षेत्र घर मकान के छतों से 11 केवी हाई टेंशन लाइन की समस्या बताई गई। जनमानस की समस्या को देखते हुए क्षेत्र क्रमांक 10 सभापति जनपद सदस्य धमधा नागेश साहू के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बिजली कटौती में पूर्ण विराम व ग्राम पंचायत अछोटी बोरसी के घनी आबादी क्षेत्र घरों के छतों से 11 केवी हाई टेंशन लाइन हटाने अहिवारा विधानसभा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा एवं एसडीएम महेश सिंह राजपूत के समक्ष मांग की गई। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, प्रेम सागर चतुर्वेदी, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रवेश शर्मा एवं युवा नेता अमन शर्मा सहित आसपास के ग्रामीण उपस्थित थे।

■ ग्राम पंचायत नारधा में सुशासन तिहार मनाया

बिजनेस साइट

रमन आईटीआई में कोपा व स्टेनोग्राफी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

भिलाई। युवाओं को तकनीकी और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से रमन आईटीआई द्वारा एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कोपा व स्टेनोग्राफी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। रमन आईटीआई के संचालक अरविन्दर सिंग ने बताया की संस्थान द्वारा छात्रों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावसायिक दक्षता प्रदान की जाएगी, जिससे वे सरकारी व निजी क्षेत्रों में बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि कोपा कोर्स के अंतर्गत विद्यार्थियों को कंप्यूटर संचालन, एमएस ऑफिस, इंटरनेट, डेटा एंट्री और बेसिक प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं स्टेनो कोर्स में हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिंग, शॉर्टहैंड एवं कार्यालयीन कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। यहां छात्रवृति योजना, शासकीय सेवा में मान्य कोर्स, प्लेसमेंट सुविधा है। रमन आईटीआई के प्रशिक्षित और अनुभवी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रैक्टिकल प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थान में आधुनिक लैब, कंप्यूटर सुविधा एवं बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए रमन आईटीआई बाबा दीप सिंघ नगर, सरस्वती शिशु मंदिर के पास वैशाली नगर भिलाई कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

नीट व जेईई की परीक्षाओं की तैयारी के लिए 25 से बैचेस प्रारंभ

भिलाई। कोटा स्टडी सर्किल भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड और आइसो सर्टिफाइड तथा राजस्थान से संबंधित एक उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान है। जहां विगत 17 वर्षों से नीट तथा जीईई के परीक्षाओं की तैयारी कोटा ट्रेंड अनुभवी टीम द्वारा फिजिक्स केमिस्ट्री बायोलॉजी व मैथ्स विषय की तैयारी गहनता से कराई जाती है। नीट तथा जेईई की परीक्षाओं की तैयारी के लिए 25 मई से बैचेस प्रारंभ की जाएगी। कोटा स्टडी सर्किल ने विगत 17 वर्षों में राष्ट्र को होनहार डॉक्टर्स और इंजीनियर्स दिए हैं। यहां हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही माध्यम के छात्रों के लिए समान सुविधा उपलब्ध हैं। कोटा स्टडीज सर्कल में एक लाइब्रेरी पढ़ने के लिए व्यवस्थित की गई है। तथा डीपीपी की प्रैक्टिस कक्षा में ही कर दी जाती है। इससे छात्र आने वाले क्वेश्चंस के लिए पहले से तैयार रहते हैं और समय रहते खुद को प्रिपेयर कर पाते हैं। यहां फीस भी बहुत ही उचित ली जाती है जिससे पेरेंट्स पर कोई अतिरिक्त बोझ ना आए। पलक रायपुर में आरसी कॉलेज के सामने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बाजू में कोटा स्टडी सर्किल तथा भिलाई में न्यू सिविक सेंटर कोटा स्टडी सर्किल में संपर्क कर सकते हैं।

ब्रेन की नसों में जमा था खून, 3 घंटे चली सर्जरी ने दी नई जिंदगी

भिलाई। सिर में तेज दर्द, शरीर में लकवे जैसे लक्षण और फिर अचानक बिगड़ती हालत के कारण 45 वर्षीय मरीज की जिंदगी कुछ ही घंटों में मौत के मुहाने तक पहुंच गई। जांच में सामने आया कि युवक को सीवीटी स्ट्रोक हुआ है और मस्तिष्क की नसों में खून जमने से ब्रेन में ब्लीडिंग शुरू हो गई है। हालत इतनी गंभीर थी कि मरीज को तुरंत ऑपरेशन थिएटर ले जाना पड़ा। गंभीर अवस्था में युवक को आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां न्यूरोसर्जन डॉ. कुलदीप सिंह और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. यश जैन की टीम ने चुनौतीपूर्ण इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने बताया कि स्थिति को देखते हुए तत्काल क्रैनियोटॉमी सर्जरी की गई। करीब 3 घंटे चले ऑपरेशन में ब्रेन में जमा खून निकाला गया। डॉक्टरों के मुताबिक मरीज की स्थिति बेहद नाजुक थी, लेकिन सही समय पर इलाज और विशेषज्ञ टीम की तत्परता से उसकी जान बचाई जा सकी। फिलहाल युवक की हालत में सुधार है और वह धीरे-धीरे रिकवर कर रहा है।

अग्निशमन और औद्योगिक सुरक्षा में रोजगार का सुनहरा अवसर

भिलाई। संस्था फायर और सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है। भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू है। 10वीं, 12वीं, स्नातक और स्नाकोत्तर किसी भी संकाय से आयु 17 से 40 वर्ष फायर और औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम व फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है। मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान और रोजगार विकास के लिए पंजीकृत संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धत कराना है। फायर और औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों पर होता है। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन और अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है। संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार, भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट सहित अन्य कंपनियों में कार्यरत कर रहे है। संस्था भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर और सेफ्टी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों और सफल अभ्याथियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। सभी जाति वर्ग के संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी।

ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

अंडा-अछोटी मार्ग पर हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

सार्वजनिक मार्ग पर धारदार हथियार लहराकर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले एक आदतन बदमाश को अंडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार हथियार बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अंडा से ग्राम अछोटी जाने वाले सार्वजनिक मार्ग पर एक युवक हथियार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जागेश्वर साहू उर्फ जग्गू (29 वर्ष) निवासी अंडा थाना अंडा जिला दुर्ग बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक धारदार हथियार जप्त किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना अंडा का आदतन गुंडा बदमाश है, जिसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 58/2026 के तहत धारा 25 एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की। घटना ग्राम अंडा से ग्राम अछोटी जाने वाले सार्वजनिक मार्ग की बताई जा रही है, जहां आरोपी लोगों में भय और आतंक का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा था। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या कानून व्यवस्था भंग होने की सूचना दें।

सुशासन तिहार बेलौदी में हुई गोद भराई, सेनेटरी नैपकिन भी बांटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

ग्रामीणजन की प्रशासकीय विभाग संबंधित समस्या को दूर करने एवं विभिन्न प्रकार के मांग हेतु सुशासन तिहार का आयोजन ग्राम पंचायत बेलौदी में किया गया। शिविर में विधायक ललित चंद्राकर ,एसडीएम हरिवंश मिरी जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र यादव, सुश्री प्रिया साहू जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन सरपंच बेलौदी जामवंतीं देशमुख ,पंचगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

■ सुशासन तिहार का आयोजन बेलौदी में किया गया

शिविर में 6 गर्भवती माताओं संतोषी यादव, मीनाक्षी यादव, नोमेश्वरी पारकर, राधिका निषाद, ममता देशमुख हर्षा सेन की गोद भराई का कार्यक्रम किया गया एवं उनसे उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई। 10 किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री मातृ वंदना नोनी सुरक्षा सुकन्या समृद्धि महतारी वंदन मुख्यमंत्री कन्या विवाह महिला कोष सक्षम बाल संदर्भ योजना की जानकारी परियोजना अधिकारी उषा झा व सेक्टर पर्यवेक्षक इंदु मिश्रा, शशि रैदास द्वारा दी गई तथा महिला सशक्तिकरण हेतु संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कुपोषण मुक्ति अभियान बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की जानकारी उपस्थित ग्राम वासियों के साथ साझा की गई। शिविर में महतारी वंदन की महिलाओं का ई केवाईसी किया गया जिसमें 21 महिलाएं लाभान्वित हुई सुशासन तिहार शिविर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रोहिणी देशमुख, चमेली पारकर,एवं अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में ठोस कचरे का निपटारा करने नागरिकों की सहभागिता पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ उतई

नगर पंचायत उतई में ठोस कचरे के निपटारे के लिए अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अपराह्न 3:00 बजे नगर पंचायत उतई कार्यालय के सभाकक्ष में हुई, जिसमें निकाय के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई।

■ उतई नगर पंचायत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला

कार्यशाला का आयोजन शासन से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में किया गया, जिसमें नगर निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों —अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों — को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, अपशिष्ट निस्तारण एवं नागरिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। लोगों को घर-घर स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती नरेंद्र साहू ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर को स्वच्छ रखने के लिए सभी नागरिकों को आगे आकर सहयोग करना होगा। वहीं उपाध्यक्ष शिवनारायण देशमुख एवं उपस्थित पार्षदों ने भी नगर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु अपने सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम में पार्षदगण रमशीला नेताम, शोभेन्द्र सोनू राजपूत, लक्ष्मीनारायण साहू, सतीश चंद्राकर, लता सोनवानी, भीमसेन सिन्हा, विजयलक्ष्मी साहू, द्वारिका साहू, खूबी राम साहू, अनीता गढ़े, संगीत रजक एवं सुनीता चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र नायक, उपअभियंता आशीष भारती, सहायक राजस्व निरीक्षक अंकालू राम साहू सहित नगर पंचायत के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान स्वच्छता संबंधी योजनाओं के बेहतर संचालन एवं नागरिकों को जागरूक करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर कौही में हुआ व्यापक संवाद

पाटन। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार अंतर्गत ग्राम कौही में आयोजित विशाल जनसभा में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, ग्रामीण विकास एवं जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण को लेकर व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव और जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक के साथ ही कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लवकेश ध्रुव ,खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जनसहभागिता और उत्साह ने सुशासन तिहार को जनहित एवं जनसंवाद का प्रभावी मंच बना दिया।

कार्यक्रम में जामगांव मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू, महामंत्री निर्मल जैन, धनराज साहू, रूप सिंह, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की वाले, सभापति देवेंद्र ठाकुर, सभापति केवल चंद देवांगन, पार्षद श्रीमती संगीता धुरंधर, ग्राम असोगा सरपंच लीना साहू, मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त लगभग 20 ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिवगण एवं हजारों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन मोहित शर्मा ने किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन 1 के न्यायालय में
मामला क्रमांकः 202605104900026

विषयः- अ-21(1) मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः- 2025-2026
भरर प.ह.न. 00047 [728/1 (0.0200 हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - विमल ठाकुर,
अनावेदक पक्षकार - छ.ग.,

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम भरर प.ह.न. 47 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक विमल ठाकुर पिता स्व. मन्नूलाल ठाकुर अन्य 01 निवासी भरदा तह. व जिला दुर्ग(छ.ग.) द्वारा आवेदकगण के नाम से ग्राम भरर प.ह.नं. 47 तह. पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) कृषि भूमि ख.न. 728/1 रकबा 0.64 हे. निजी कृषि भूमि पर स्वामित्व एवं धारणाधिकार में दर्ज है। उपरोक्त ख.न. 728/1 रकबा 0.64 हे. में से रकबा 120 हे. अनावेदकगण क्र. 02 कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा जिला दुर्ग के भरर-कुर्मीगुण्डरा मार्ग 3. 50 कि.मी. में ग्राम भरर में अधिग्रहित होने पर निर्माण कार्य विभाग की ओर से किया है। कंडिका 03 की भूमि जिला दुर्ग के भरर-कुर्मीगुण्डरा मार्ग लग. 3.50 कि.मी. थे प्रभावित होने पर उपरोक्त ख.न. की भूमि को लोकहित कार्य में जिला दुर्ग के भरर कुर्मीगुण्डरा मार्ग लग 3.50 कि.मी. मे प्रभावित होने पर शासन के पक्ष में आपसी सहमति क्रय नीति 2016 के तहत भूमि विक्रय करने को आवेदकगण सहमत है। उपरोक्त भूमि को जिला दुर्ग के भरर-कुर्मीगुण्डरा मार्ग ल. 3.50 कि.मी. में ग्राम भरर भूमि ख.न. 728/1 रकबा 0.40 हे. में से 0.120 हे. भूमि प्रभावित होने पर अनावेदकगण के पास शासकीय गाइड लाईन वर्ष 2019-20 मुआवजा की राशि के साथ ही भूमि आदिवासी भूमि की स्वामित्व होने पर छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 165 (6) के तहत अनुमति प्रदान करने के साथ ही मुआवजा राशि शीघ्र दिलायी जाने हेतु उपरोक्त योजना में आपसी सहमति भूमि क्रय नीति 2016 के तहत आदेश प्रसारित पत्र क्रमांक 3809/भू-अर्जन/भू०क्र०नी० 16/2022-23 पाटन, दिनांक 22.03.2023 में उल्लेखित प्रतिफल राशि 3,65,400/- रू० से आवेदकगण सहमत है। उक्त राशि प्राप्त कर आवेदकगण को प्रभावित योजना के नाम से पंजीयन किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है। आवेदन शासन पक्ष छत्तीसगढ़ राज्य पाल द्वारा कलेक्टर दुर्ग, कार्यपालन, अभियंता लोकनिर्माण विभाग, दुर्ग संभाग दुर्ग (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करने की अनुमति प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) के पत्र क्रमांक 3206/प्र.01/अ.वि.अ./2025 पाटन, दिनांक 18.11.2025 के प्राप्त आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 04/06/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

ममता टावरी
अतिरिक्त तहसीलदार
जामगांव आर तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

डौकीडीह में तीन दिवसीय लीला नाटक कार्यक्रम का आयोजन 27 से

अण्डा। ग्राम डौकीडीह में तीन दिवसीय लीला नाटक कार्यक्रम का आयोजन 27 से 29 मई तक किया जा रहा है। नवां अंजोर नाट्य संस्था बोरीगारका (उतई) एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से यह कार्यक्रम स्थल दशहरा मैदान, गौठान पारा (पानी टंकी के पास) रखा गया है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम प्रतिदिन रात्रि 8:30 बजे से प्रारंभ होगा। तीनों दिनों में अलग-अलग धार्मिक एवं ऐतिहासिक नाटकों का मंचन किया जाएगा, जिसे लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार पहले दिन 27 मई, बुधवार को "धनुष यज्ञ लीला" का मंचन होगा। दूसरे दिन 28 मई, गुरुवार को "शूर्पणखा लीला से बाली वध" प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं तीसरे दिन 29 मई, शुक्रवार को "वीर अभिमन्यु नाटक"का मंचन किया जाएगा। इसी दिन चढ़ौती कार्यक्रम भी रखा गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु ग्रामवासियों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लेने की अपील की है। यह जानकारी भीषम साहू ने दी।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

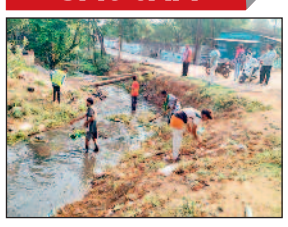

जोन-2 क्षेत्र के वार्डो और नालों की सफाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन 2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में साफ सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन में वर्षा ऋतु पूर्व विशेष सफाई अभियान के तहत नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कराई जा रही है। इसी क्रम में रामनगर स्थित मुक्तिधाम के पास नाला सफाई कार्य भी कराया जा रहा है। नालों में जमा कीचड़, कचरा एवं झाड़ियों को हटाया जा रहा है जिससे बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जोन क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से वार्डों में सफाई कार्य किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने एवं कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की है।

प्रबंधन की दो साल से उदासीनता को लेकर यूनियनें हो रहीं एकजुट

बीएसपी में मान्यता यूनियन चुनाव नहीं कराने से कर्मियों के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सीटू ने ईडी को सौंपा ज्ञापन, जल्द चुनाव नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

श्रमिक हित में गुप्त मतदान से चुनाव कराने की मांग

सीटू ने बताया कि बार बार मांग के बाद भी यदि प्रबंधन कार्रवाई नहीं करता है तो इससे कर्मचारियों के बीच असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। यूनियन समस्याओं, मांगों और अधिकारों को प्रबंधन के समक्ष रखती है। यदि समय पर चुनाव नहीं होते हैं तो कर्मचारियों की आवाज कमजोर पड़ेगी। यूनियन ने कहा कि गुप्त मतदान प्रणाली ही कर्मचारियों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करेगी। । चुनाव प्रक्रिया को टालने के बजाय प्रबंधन को सभी ट्रेड यूनियनों के साथ चर्चा कर शीघ्र चुनाव कार्यक्रम घोषित करना चाहिए।

कर्मियों को लामबंद करने की रणनीति

सीटू के मुताबिक सभी कर्मचारियों और यूनियनों को एकजुट होने की जरूरत है। यूनियन इस दिशा में प्रयासरत है। क्योंकि यह केवल किसी एक संगठन का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे श्रमिक वर्ग के अधिकारों और सम्मान से जुड़ा प्रश्न है। यदि प्रबंधन शीघ्र पहल नहीं करता है तो कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलनात्मक कार्यक्रमों पर विचार किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के चुनाव को लेकर बीएसपी प्रबंधन की लंबी उदासीनता को लेकर यूनियनों में असंतोष बढ़ रहा है। चुनाव में भारी लेटलतीफी को कर्मियों की लंबित समस्याओं और उनके लोकतांत्रिक आधिकार और सम्मान से जुड़ा होना बताते हुए प्रबंधन से जल्द प्रक्रिया शुरु किए जाने की मांग की गई है। हिंदुस्तान स्टील एम्प्लाइज यूनियन ने बीएसपी के कार्यपालक निदेशक को औद्योगिक संबंध विभाग के वरिष्ठ संबंध को ज्ञापने देकर चेतावनी दी है कि जल्द चुनाव नहीं कराए जाने पर कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन कार्यक्रमों पर विचार किया जाएगा।

यूनियन के मुताबिक मान्यता यूनियन चुनाव को लेकर दो साल से बीएसपी प्रबंधन की लगातार निष्क्रियता गंभीर है। कर्मचारियों के लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े इतने महत्वपूर्ण विषय पर चुप्पी समझ से परे है। पिछला मान्यता प्राप्त यूनियन का कार्यकाल 23 सितंबर 2024 को समाप्त हो चुका है, लेकिन अब तक चुनाव घोषित नहीं किया गया है और न ही प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई दे रहा है। सीटू के पत्राचार के बाद भी नहीं हुई कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पहले भी सीटू द्वारा 24 सितंबर 2024 व 29 सितंबर 2025 को दो बार प्रबंधन को पत्र देकर गुप्त मतदान द्वारा सदस्यता जाँच के लिए शीघ्र चुनाव कराने की मांग किया जा चुका है। 4 दिसंबर 2024 तथा 11 जनवरी 2025 के फॉलो बैठक में सीटू ने चुनाव कराने को लेकर चर्चा किया था जिस पर प्रबंधन ने दो माह के भीतर चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ करने का आश्वासन दिया था लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक पहल सामने नहीं आई और आज तक स्थिति जस की तस है।

ट्विनसिटी में अघोषित बिजली कटौती से चरमराई व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

■ आप ने ज्ञापन सौंप दी आंदोलन की चेतावनी

छत्तीसगढ़ खुद एक बिजली उत्पादक राज्य है, लेकिन आज दुर्ग और भिलाई की जनता बिजली के लिए तरस रही है। अघोषित बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और बिजली विभाग के सिस्टम के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी जिला दुर्ग ने सीएसपीडीसीएल के कार्यपालक निदेशक को इसकी शिकायत करते हुए ज्ञापन सौंपा है। जसप्रीत सिंह, मेहरबान सिंह और ज्योति ने संयुक्त बयान में कहा कि पूरा दुर्ग और भिलाई इस वक्त बिजली विभाग की लापरवाही और फैले भ्रष्टाचार की आग में झुलस रहा है।

आप नेताओं ने बताया कि दुर्ग के कई जोन में महीनों इंतजार के बाद जब ट्रांसफार्मर मंजूर होता है, तो वहां के जिम्मेदार अधिकारी स्थानीय निवासियों से कहते हैं कि क्रेन का इंतजाम खुद करो तो ट्रांसफार्मर बदलेगा। गरीब और मध्यमवर्गीय जनता आपस में चंदा इकट्ठा कर क्रेन बुला रही है, जो कि बेहद शर्मनाक है। आकाश गंगा सुपेला जो बिजली विभाग को सबसे ज्यादा रेवेन्यू कमा कर देता है, वहां के दुकानदार पूरी तरह बेहाल हैं। सुबह दुकान खोलों तो बिजली गायब मिलती है। हर 2 से 4 घंटे में सिर्फ फ्यूज जोड़कर टाइम पास किया जा रहा है, जिससे व्यापारियों के कीमती उपकरण जल रहे हैं और धंधा चौपट हो चुका है। खुर्सीपार क्षेत्र के नागरिक पिछले लंबे समय से बीएसपी और सीएसपीडीसीएल के आपसी विवाद की सजा भुगत रहे हैं। वहां नए कनेक्शन के लिए 10 से 20 हजार रुपए तक की रिश्वत मांगी जा रही है। उपभोक्ता फोरम में भी न्याय नहीं मिल रहा है। ज्ञापन देने वाले में रऊफ अंसारी, सोनू यादव, धर्मेंद्र चौधरी, छबिलाल, मनीष मिश्रा, डॉ. एसके अग्रवाल आदि मौजूद थे।

निगम आयुक्त राजीव ने शहीद उद्यान और पौधारोपण स्थल का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 अंतर्गत शहीद उद्यान सहित वृक्षारोपण स्थल का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों को उद्यान में आवश्यक सुधार कराने निर्देशित किए।

निगम आयुक्त पांडेय ने शहीद उद्यान का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था में सुधार लाने कहा गया है, जिससे आने वाले नागरिकों एवं बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही आवश्यक संधारण भी समय पर कराने निर्देशित किये हैं। शहीद उद्यान के अन्य व्यवस्थाओं को बारीकी से निरीक्षण किया गया यथाशीघ्र व्यवस्था सुधार हेतु निर्देशित किए हैं। जोन कार्यालय समीपस्थ रिक्त स्थल का अवलोकन किये और आगामी बरसात में हरियाली को दृष्टिगत करते हुए सघन वृक्षारोपण कराने कहा गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं वायु प्रदूषण में सुधार लाया जा सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय गौर, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, स्वच्छता निरीक्षक सूर्यादास उपस्थित रहे।

भाजयुमो ने राहुल गांधी का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को गद्दार कहे जाने के विरोध में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा घड़ी चौक सुपेला और पटेल चौक दुर्ग में पुतला दहन किया गया। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज सोनी, राजीव पांडेय, सह कोषाध्यक्ष ध्रुव सचदेव, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अनिकेत यादव, आरूणी दानी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी लगातार देश की संवैधानिक व लोकतांत्रिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और मर्यादाओं का विरोध कर रही है। देश की जनता द्वारा पूर्ण बहुमत से चुने गए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ इस तरह की घटिया और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर राहुल गांधी ने न केवल पद की गरिमा को ठेस पहुँचाई है, बल्कि देश के लोकतंत्र और जनमत का भी घोर अपमान किया है। लगातार मिल रही राजनीतिक शिकस्त से बौखलाए राहुल गांधी अपनी खीझ मिटाने के लिए अभद्र भाषा का सहारा ले रहे हैं। पुतला दहन के दौरान राजा महोबिया, रजनीश श्रीवास्तव, अविनाश राजपूत, जितेंद्र सिंह राजपूत, उमेश गिरी, महेंद्र चोपड़ा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 23 मई 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

जल है तो कल है अभियान...

लाइव इवेंट

बड़े स्क्रीन पर भिलाइयंस ले सकेंगे आईपीएल मैच का मजा, मिलेगा उपहार

भिलाई. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने और क्रिकेट प्रेमियों को अपने शहर में ही स्टेडियम का मजा देने के लिए आईपीएल फैन पार्क को देश के 45 शहरों तक पहुंचा दिया है। इन शहरों में भिलाई का नाम भी शामिल है। भिलाई में यह आयोजन 6वीं बार आयोजित हो रहा है। हर साल जयंति स्टेडियम में आयोजित होने वाला आईपीएल फैन पार्क इस बार दशहरा मैदान सेक्टर 6 में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम की जानकारी बीसीए के सचिव योगेश शाह, छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के ज्वाइंट सिक्रेटरी अजय तिवारी और बीसीसीआई से आए श्रीनिवासन राघवन ने दी। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई ने अपने फैन पार्क में छत्तीसगढ़ से एक मात्र शहर भिलाई को शामिल किया है। भिलाई टाउनशिप के दशहरा मैदान में फैन पार्क तैयार किया जा रहा है। यहां शनिवार 23 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब ऑनवर्ड्स के बीच खेले जा रहे मैच का लाइव दिखाया जाएगा। इसके बाद रविवार 24 मई को दोपहर ढाई बजे से मुंबई इंडियंस व राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स व दिल्ली कपिटल्स के बीच होने वाला लाइव मुकाबला दिखाया जाएगा।

कुछ ऐसा होगा फैन पार्क

योगेश साह ने बताया कि आइपीएल फैन पार्क को स्टेडियम का लुक देकर लाइव मैच दिखाने की कोशिश की जाएगी। इसमें 36 बाई 18 का विशाल स्क्रीन लगाया जाएगा। मैच के दौरान दर्शकों को स्टेडिम की तर्ज पर म्यूजिक, क्रिकेट संबंधित दुकानें, किड्स जोन, फूड स्टॉल समेत अन्य सुविधाएं मिलेंगी। फैन पार्क में प्रवेश निशुल्क रखा गया है। फैन पार्क में नाश्ता बाहर की दुकानो से कम रेट पर मिलेगा और पानी पूरी तरह से निशुल्कु मिलेगा। इसके साथ पार्की के अंदर सिगरेट, पान, गुटखा नहीं ले जा सकेंगे।

लकी ड्रा की भी रहेगी सुविधा

फैन पार्क के अंदर जो इंट्री दी जाएगी उसमें एक कूपन दिया जाएगा। कूपन का आधा भाग एक बॉक्स में डाला जाएगा। मैच के इंटरवल के दौरान इस कूपन के जरिए लकी ड्रॉ निकाले जाएंगे। इसमें जिस भी क्रिकेट प्रेमी का कूपन फंसेगा उसको इंडियन प्लेयर के सिगनेचर वाली क्रिकेट टी-शर्ट ईनाम के रूप में दी जाएगी। स्टेडियम के अंदर वीआईपी, बुजुर्ग, और दिव्यांग के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। आयोजनकर्ताओं का कहना है कि स्टेडिम को 10 हजार से अधिक लोगों के आने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है।

लाइव इवेंट

कार्यशाला में किया हिंदी में काम करने की कठिनाई का समाधान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि बीएसपी के कार्यपालक निदेशक प्रवीन निगम और विशिष्ट अतिथि सीजीएम प्रमोद कुमार चोखानी थे। बैठक में हिंदी में कार्य करने में आने वाली कठिनाइयों को समाधान बताया गया। श्री निगम ने कहा कि हमारा दायित्व है कि हम जो भाषाएं जानते हैं, उन समस्त भारतीय भाषाओं को व्यवहार में रखें। विभागीय कार्यों के लिए नोटशीट आदि में जहाँ तक संभव हो हिंदी में ही लिखे। महाप्रबंधक राजीव कुमार, ने कहा कि कार्मिकों को हिंदी में काम करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने राजभाषा विभाग सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम में महाप्रबंधकगण शरत रंजन जाना व प्रकाश कोलकोंडी, चन्द्रलता चन्द्राकर, प्रशासनिक सहायक, शिखा दीक्षित आदि कार्मिक उपस्थित थे। उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी हिंदी में कार्य करने की शपथ दिलाई। शपथ दिलाई और डीजीएम स्मिता जैन ने विभागीय प्रतिवेदन पढ़ा।

● पारा 45 डिग्री के आसपास, लू से बचाव के लिए हेल्थ विभाग ने जारी की एडवाइजरी

पिछले दिनों हुई बारिश ने बिगाड़ा मौसम का सिस्टम, उमस की वजह से लू चलने की आशंका 125 प्रतिशत तक बढ़ी, यह ज्यादा खतरनाक

नमी वाली गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। इधर पिछले दो दिनों से जिले का तापमान भी 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। विशेषज्ञों की मानें तो यह तेज तापमान और ज्यादा नमी का ऐसा गठजोड़ है, जिसमें शरीर पसीने के जरिए खुद को ठंडा नहीं कर पाता। जर्नल क्लाइमेट डायनैमिक्स में छपी नई स्टडी के मुताबिक यह सबसे ज्यादा खतरनाक है।

दुर्ग। अब तक हीटवेव की पहचान ज्यादातर तापमान की सीमा से होती रही है, लेकिन स्टडी कहती है कि सिर्फ तापमान से असली खतरा नहीं समझ आता। ज्यादा नमी में पसीना जल्दी नहीं सूखता, शरीर का कूलिंग सिस्टम फेल होने लगता है, कोर बॉडी टेम्परेचर बढ़ता है और कुछ मामलों में कुछ देर में हीटस्ट्रोक तक हो सकता है। ऐसे में ज्यादा नमी में मध्यम तापमान भी जानलेवा बन सकता है।

जनरल प्रैक्टीसनर डॉ. अनिल अग्रवाल बताते हैं कि यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के मुताबिक नमी या उमस वाली गर्मी से बीमारी का खतरा दोगुना तक बढ़ सकता है। बता दें कि अब दिन गर्म होने के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं। इससे शरीर को रिकवरी का समय कम मिल पा रहा है। शहरों में गर्मी ज्यादा देर तक फंस रही है। इससे हीट स्ट्रेस बढ़ रहा है। ऐसे में अगर तापमान हीटवेव की मान्य सीमा से नीचे है, फिर भी लोगों को गंभीर परेशानी हो रही है। इस बार गर्म हवाओं के बीच बारिश भी हो चुकी है। इस दौरान हवा में नमी (उमस) बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इससे नमी वाली लू चलने की आशंका सामान्य से 125% तक बढ़ गई है। इस वजह से बिना कूलिंग सुविधा वाले परिवार, बुजुर्ग, जिनके घरों में वेंटिलेशन कम हैं, बाहर काम करने वाले मजदूर ज्यादा शिकार होते हैं। इसे देखते हुए हेल्थ विभाग और जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें लू के लक्षण, लू से बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार और आवश्यक सांवधानियां संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को लू के लक्षण, लू से बचाव, लू लगने पर प्रारंभिक उपचार हेतु जनसमुदाय में जागरूकता लाने व प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों का प्राथमिकता से परीक्षण करने के निर्देश भी दिये गये हैं। साथ ही जिले के संबंधित सभी विभागों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लू बचाव, उपाय के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग इंतजाम भी किए गए हैं।

लू की स्थिति में हेल्थ विभाग की सलाह भी जानिए

सिर से भारीपान और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी, पेशाब कम आने की शिकायत हो तो जरुरत पड़ने पर ही घर से निकलें। धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। अधिक पसीना आने की स्थिति में ओआरएस घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें। शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श लें। बुखार पीड़ित के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी रखें। अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाएं। ज्यादा समय खाली पेट न रहें, कोशिश करें कि दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक धूप वाली जगह में न रहें।

वरिष्ठ नागरिकों और फील्ड स्टाफ के लिए निर्देश

वृद्धजनों और धूप में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष रूप से गाइडलाइन जारी की गई है, एडवायजरी अनुसार जो बुजुर्ग अकेले रहते हैं, उनकी नियमित जांच और देखभाल सुनिश्चित करने को कहा गया है। यदि किसी वृद्ध को असामान्य रूप से भूख कम लगना, चक्कर आना या सांस लेने में तकलीफ हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है। समाज के हर वर्ग और व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए विस्तृत कार्ययोजना सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को गर्मी के दौरान सार्वजनिक स्थलों, आश्रय स्थलों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहां पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, लू के दौरान बाहरी गतिविधियों और कार्यों पर प्रतिबंध के संबंध में विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। शहरी क्षेत्रों में ग्रीन कवर बढ़ाने हेतु छतों पर उद्यान और शहरी वन विकसित करने के प्रयासों को गति दी जाएगी।

कुछ नया बनाने की इच्छा हो तभी स्टार्टअप प्रारंभ करें

भिलाई। अकसर, युवा कॉलेज से पासआउट होते ही स्टार्टअप की तरफ दौड़ जाते हैं। उन्हें फील्ड का कोई अनुभव नहीं होता। कंपनी कैसे चलती है मालूम नहीं। थोड़े समय अच्छा लगता है, लेकिन फिर उन्हें फेलुअर मिलता है। इसलिए पहले कुछ साल काम करके अनुभव लेना बहुत जरूरी है। बिना अनुभव के सीधे कारोबार की दुनिया में उतर जाना समझदारी नहीं है। उक्त बातें शुक्रवार को द इंडस आंत्रप्रेन्योर्स टाई के ग्लोबल को-लीड और वाइस प्रेसीडेंट टाई कोएंबतुर प्रदीप युवराज ने कहीं।

वे रूंगटा यूनिवर्सिटी की आंत्रप्रेन्योरशिप इकाई रूबी द्वारा कराए गए सेमीनार में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि, अगर सिर्फ पैसा कमाना ही मकसद है तो स्टार्टअप मत करो। अगर सिर्फ नाम और पहचान चाहिए तो भी मत करो। कारोबार तभी करना चाहिए जब आपके अंदर कुछ नया बनाने की इच्छा हो। कारोबार करने वाले लोग वही होते हैं जो वहां अवसर देखते हैं जहां बाकी लोग सिर्फ परेशानी देखते हैं। सामान्य लोग समस्या ढूंढते हैं, लेकिन उद्यमी उन्हीं समस्याओं में नया रास्ता खोज लेते हैं। कारोबार करने वाले इंसान को अपने काम के लिए पूरी तरह समर्पित होना पड़ता है। यह सुबह से शाम तक की साधारण नौकरी नहीं है। इसमें हर समय काम और जिम्मेदारी दिमाग में चलती रहती है। कारोबार करने वाले को हर चीज की समझ होनी चाहिए। लोगों से बात करना, काम संभालना, मुश्किल समय में फैसले लेना और टीम को साथ लेकर चलना सब सीखना पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता बहुत जरूरी है। कारोबार में त्याग करना पड़ता है। कई बार नींद छोडऩी पड़ती है, आराम छोड़ना पड़ता है, परिवार से दूर रहना पड़ता है और लगातार एक जगह से दूसरी जगह भागना पड़ता है। कार्यक्रम में रूंगटा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी, प्रो-चांसलर डॉ. सौरभ रूंगटा, सीईओ सोनल रूंगटा, रूंगटा बिजनेस इन्क्यूबेशन के सीईओ जी वेणुगोपाल सहित टाई रायपुर के वाइस प्रेसीडेंट अभिनव खंडेलवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सानिया शेख और टेक कंपनी ऑगटेक नेक्स्टवेल्थ के को-फाउंडर सोमेश शर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम के समन्वयक रुंगटा बिजनेस इनक्यूबेशन के डीन अनुराग शर्मा थे।

साध्वी उमशममति और श्रुतमति के निधन पर विनांयजलि सभा आज

भिलाई। साध्वी उमशममति और श्रुतमति के निधन पर विनांयजलि सभा का आयोजन जैन भवन नेहरूनगर म;23 मई को आयोजित है। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सुबह 8 बजे किया गया है। समाज के अशोक पहाड़िया ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज से दीक्षित <I>दोनों साध्वी ने<I> दुर्घटना में असामयिक समाधि मरण लिया।<I><I> इससे<I> सम्पूर्ण भारतवर्ष का जैन समाज अत्यंत दुखी एवं आक्रोशित है। <I><I>जैन साधु-संतों के साथ हुई इस दुःखद घटना पर विनयांजलि अर्पित करने के लिए विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आर्यिका शैलमति माताजी एवं आर्यिका अदूरमति प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगी।

कार्नर न्यूज

वानिकी महाविद्यालय दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर कार्यशाला में पहुंची नीति आयोग की निदेशक डॉ. भावना दीक्षित

छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा एवं जनजातीय परंपराएं जैव विविधता संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण, पर्यावरण को सहेजने प्लांटेशन जरूरी

दुर्ग। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा के अंतर्गत संचालित वानिकी महाविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य नीति आयोग के संयुक्त निदेशक डॉ. भावना दीक्षित, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की डॉ. अनुज शुक्ला, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से डॉ. अनुज नारद, अधिष्ठाता डॉ. अमित दीक्षित, कार्यक्रम प्रमुख डॉ. आयुषी त्रिवेदी उपस्थित रहे। कार्यशाला मुख्य रूप से जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वन्यजीव संरक्षण, वानिकी जैसे विषयों पर आधारित था, जिसमें अलग अलग सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जैव विविधता के महत्व को समझा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ की संयुक्त निदेशक डॉ. भावना दीक्षित ने जैव विविधता के महत्व को बताते हुए स्थानीय स्तर पर संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया इस वर्ष के जैव विविधता दिवस की थीम स्थानीय स्तर पर कार्य करें, वैश्विक प्रभाव डालें है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार हम अपने छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों के माध्यम से हम बड़े कार्य कर सकते हैं। स्थानीय स्तर पर कार्य करते हुए वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा एवं जनजातीय परंपराएं जैव विविधता संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने सामुदायिक वन प्रबंधन, जल स्त्रोत संरक्षण, पारंपरिक बीज संरक्षण एवं स्थानीय स्तर पर किए जा रहे वृक्षारोपण अभियानों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने युवाओं से स्थानीय जैव विविधता, औषधीय पौधों एवं पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण हेतु आगे आने का आह्वान किया तथा कहा कि स्थानीय स्तर के छोटे प्रयास ही वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

आधुनिक तकनीकी नवाचार एवं युवाओं की भूमिका अहम

विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुज शुक्ला ने आधुनिक तकनीकी नवाचारों एवं युवाओं की भूमिका को बड़ा बताते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी शक्ति है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संरक्षण के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं वन प्रबंधन को अत्याधुनिक बनाया जा सकता है। डॉ. अनुज नारद कहा कि वर्तमान समय में भूजल स्तर लगातार घटता जा रहा है, जो आने वाले समय के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि यदि आज जल संरक्षण के प्रति जागरूकता नहीं दिखाई गई, तो भविष्य में जल संकट और अधिक गंभीर रूप ले सकता है।

सिटी इवेंट

बाल संप्रेषण गृह के 6 बच्चों ने परीक्षा में पाई सफलता

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाल संप्रेषण गृह दुर्ग में निवासरत बालकों को कक्षा 7वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही थी। बच्चों को अध्ययन सामग्री एवं शिक्षकों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। कठिन पारिवारिक, सामाजिक एवं मानसिक परिस्थितियों के बावजूद बच्चों ने हार नहीं मानी और निरंतर अध्ययन जारी रखा। इन बच्चों की मेहनत एवं लगन यह संदेश देती है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। अनुशासन एवं नियमित अध्ययन से बच्चों में आत्मविश्वास का विकास हुआ है तथा यह सिद्ध हुआ है कि सतत प्रयास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। बच्चों की इस सफलता ने यह प्रमाणित किया है कि यदि प्रत्येक बच्चे को उचित अवसर एवं सकारात्मक वातावरण मिले, तो वह नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। परीक्षा की तिथि निकट आने पर बालकों को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति हेतु आवेदन किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। किशोर न्याय बोर्ड द्वारा बच्चों के शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की गई। 7 बच्चों को परीक्षा में सम्मिलित होने अनुमति प्रदान की गई थी, जिसमें से 6 बच्चों ने सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण की।

- बाल संप्रेषण गृह दुर्ग में निवासरत बालकों को कक्षा 7वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं की कराई जा रही थी तैयारी

सिटी लाइव

रैपिड शतरंज स्पर्धा आज, 165 खिलाड़ी प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

दुर्ग। जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा जीएच रायसोनी की स्मृति में जी एच रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन व कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार 23 मई को दुर्ग संभाग एक दिवसीय रैपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन श्री जलाराम सांस्कृतिक भवन सिविल लाइन में किया गया है। उक्त स्पर्धा का शुभारंभ लोहाणा महाजन समाज के अध्यक्ष राजेश राजा के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुल सचिव, रजिस्ट्रार, भूपेन्द्र कुलदीप उपस्थित रहेंगे। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा के संबंध में बताया कि उक्त स्पर्धा में दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, खैरागढ़, छुईखदान गंडई, मोहला मानपुर, अंबागढ़ चौकी जिले के 165 से अधिक खिलाड़ी शह और मात की बाजी में जोर आजमाइश करेंगे। स्पर्धा में कुल 51 हजार रुपए राशि पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए एवं विजेता ट्रॉफी से लेकर पंद्रहवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों तक नकद व मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, मुदिता पाण्डे,सीनियर नेशनल आर्बिटर दिव्यांशु उपाध्याय होंगे।

समाज इवेंट

संत सेनजी की जयंती पर मूर्ति स्थापना और सम्मान सम्मारोह आज

दुर्ग। धमधा में 23 मई को संत शिरोमणि सेनजी की जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर सेन भवन में संत सेनजी की मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। कार्यक्रम गंज मंडी सेन भवन वार्ड 7 धमधा में होगा। जिला स्तरीय इस जयंती समारोह का उद्घाटन रविंद्र चौबे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व सेन समाज विधि प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष अधिवक्ता हरेंद्र उमरे करेंगे। विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ केश शिल्प बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार सेन, सेन समाज के प्रांताध्यक्ष अध्यक्ष पुनीत राम सेन, प्रदेश सचिव भुवनलाल कौशिक, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता राजीव गुप्ता, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कसार, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा समेत अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता साजा विधायक ईश्वर साहू करेंगे। विशेष अतिथि छग फिल्म विकास निगम की चेयरमेन मोना सेन होंगी। विशिष्ट अतिथि पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास, सेन समाज के संरक्षक भूपेंद्र शंकर सेन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता प्रशांत अग्रवाल समेत अन्य अतिथि शामिल होंगे। सेन समाज के जिला अध्यक्ष भीखम सेन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ संत सेनजी महाराज की पूजा अर्चना कर किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं के साथ समाज में विशेष योगदान देने वाले वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा।

● प्री-मानसून सर्वे : सूखे कुओं का भी होगा परीक्षण, 25 मई से 15 मई तक गांव-गांव पहुंचेगी टीम

जल है तो कल है अभियान...जिले में भूजल का होगा ऑनलाइन सर्वे, डाटा जलदूत एप में होगा अपलोड

दुर्ग। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर को देखते हुए जिले में अब गांवों के कुओं और बोरवेल की जल स्थिति का वैज्ञानिक सर्वे होगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश पर जिले की सभी 304 ग्राम पंचायतों में 25 मई से 15 जून तक जलदूत मोबाइल एप के माध्यम से विशेष प्री-मानसून भूजल सर्वे अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत चयनित खुले कुओं एवं बोरवेल में उपलब्ध पानी की गहराई मापकर उसका डिजिटल डेटा ऑनलाइन एप में दर्ज किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा तकनीकी अमले को निर्देशित किया गया है कि ग्राम पंचायतों में जलदूत एप के माध्यम से बोरवेल के वाटर लेवल की भी जांच सुनिश्चित की जाए। सर्वे के दौरान जलस्तर मापन की प्रक्रिया पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से की जाएगी ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल की वास्तविक स्थिति का सटीक आंकलन हो सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल की उपलब्धता, जलस्तर में गिरावट और जल संकट की संभावित स्थिति का आकलन करना है। जलदूत एप के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर भविष्य में जल संरक्षण संरचनाओं की योजना, वर्षा जल संचयन कार्यों की प्राथमिकता तय करने तथा जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।

वॉटर लेवल को जांचने की नई तकनीक का होगा उपयोग, दी गई ट्रेनिंग

जिला पंचायत के सीईओ बजरंग कुमार दुबे बताते हैं कि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार इस बार भूजल स्तर मापन की प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और एकरूप बनाया गया है। सभी ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि कुओं की माप केवल मेजरिंग टेप के माध्यम से ही की जाए, ताकि आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने बताया कि इस बार ऐसे सूखे कुएं, जिनमें पानी उपलब्ध नहीं है, उन्हें भी सर्वे में शामिल किया जाएगा। इन मामलों में जलस्तर के स्थान पर कुएं की कुल गहराई दर्ज की जाएगी। इसके लिए मंत्रालय ने प्री-मानसून 2026 सर्वे में कुएं की कुल गहराई नामक नया पैरामीटर जलदूत मोबाइल एप में जोड़ा है। इससे भूजल संरचना, जल उपलब्धता तथा जलस्तर में होने वाले बदलावों का अधिक विस्तृत विश्लेषण किया जा सकेगा।

प्री और पोस्ट मानसून के डाटा का किया जाएगा परीक्षण

अभियान के तहत वर्ष में दो बार डेटा संग्रह किया जाएगा। पहली बार बारिश पूर्व यानी प्री-मानसून अवधि में तथा दूसरी बार बारिश के बाद पोस्ट-मानसून अवधि में कुओं का जलस्तर मापा जाएगा। इससे वर्षा के बाद भूजल स्तर में हुए सुधार का तुलनात्मक अध्ययन भी संभव हो सकेगा। जिला प्रशासन ने सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को अभियान की तैयारी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा भूजल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए इस अभियान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम

सीपीआर से बचाई जा सकती है जान इसलिए हर किसी के लिए प्रशिक्षण जरूरी

दुर्ग। रक्षित केंद्र दुर्ग में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को तंबाकू से होने वाले नुकसान और नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही सीपीआर से अवगत कराया गया। कार्यशाला में डॉ. विभोर लाल चिकित्सा अधिकारी ने जिले के पुलिस विभाग से आए हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों को सीपीआर और कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन के बारे में जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि कि आपातकालीन स्थिति में सीपीआर किस प्रकार दिया जाता है। डमी के जरिये आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के समस्त क्रमबद्ध उपचार को प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद अधिकारी एवं कर्मचारियों से प्रायोगिक प्रशिक्षण करवाया गया, जिसमें कि बेहोश व्यक्ति को हिलाकर आवाज दें, सांस चेक करें, छाती के बीच में बार बार तेज दबाएं, सिर पीछे करें, ठुड्डी ऊपर उठाएं, मुंह से 2 बार सांस दे ताकि प्राइमरी उपचार से किसी की जान बचाई जा सके।

कार्यशाला के दौरान कोटपा-2003 का प्रभावी क्रियान्वयन, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध - धारा 4, 18 वर्ष से कम को तंबाकू बेचना अपराध - धारा 6 अ, शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज में तंबाकू बिक्री प्रतिबंधित 6 ब, तंबाकू

विज्ञापन पर रोक-धारा 5, तंबाकू उत्पाद बिना विशिष्ट चेतावनी के बेचना प्रतिबंध, कोटपा का पालन कराएं, बच्चों का भविष्य बचाएं, तंबाकू मुक्त समाज बनाएं के बारे में जानकारी दी गई। जिला नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना चौहान ने कोटपा एक्ट की निगरानी, चालान कार्यवाही व तंबाकू उत्पाद के क्रय, विक्रय पर किस तरीके से नियंत्रण रखा जा सकता है एवं युवाओं को हम तंबाकू के दुष्प्रभाव से किस तरह दूर रखें इस बारे में जानकारी दी। जिला सलाहकार डॉ. सोनल सिंह के द्वारा कोटपा एक्ट की विभिन्न धाराओं धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। धारा 6 ए में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद को बेचने एवं खरीदना प्रतिबंधित है। शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है।

शिक्षामंत्री गजेंद्र ने किया भूमिपूजन

सेजेस स्कूल दीपक नगर का होगा कायाकल्प, नए कमरों में पढ़ेंगे बच्चे

दुर्ग। दीपक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 9 नए कमरों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने किया। आने वाले समय में इन कमरों में स्कूल के बच्चे पढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल का कायाकल्प किया जा रहा है। प्राइवेट स्कूल की तरह बेहतर शिक्षा व्यवस्था दीपक नगर स्कूल में भी मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की। समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात समाजसेवी विजय अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम दुर्ग के सभापति श्याम शर्मा मंच पर आसीन रहे। कार्यक्रम में जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अनूप गटागट, सचिव मनोज सोनी, उपाध्यक्ष विजय जलकारे, कोषाध्यक्ष मूलचंद साहू, सह कोषाध्यक्ष राजेश शुक्ला, विनोद मून सदस्य, ओम प्रकाश सोनी, सदस्य संदीप मानापूरे सहित अन्य मौजूद थे। मंत्री गजेंद्र यादव ने इस अवसर पर विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि नवीन कमरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा और बुनियादी ढांचे में मजबूती आएगी।

कार्नर न्यूज

डरने की आवश्यकता नहीं, जिला चिकित्सालय में सिकल सेल पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ

एक जाति विशेष में सिकलसेल के 40 प्रतिशत से ज्यादा वाहक और मरीज, दवा के इस्तेमाल से सामान्य जीवन यापन संभव

दुर्ग। जिले सहित प्रदेश में सिकलसेल के मामले में पिछले समय में कमी आई है। वाहक और मरीज दोनों की संख्या कम हुई है। एक आंकड़े के मुताबिक एक जाति वर्ग विशेष में 40 प्रतिशत से ज्यादा वाहक और मरीज हैं। उन सभी की मॉनिटरिंग की जा रही है। दवा की मदद से वे समान्य जीवन यापन कर रहे हैं। इसे लेकर दुर्ग जिला अस्पताल में जागरुकता कार्यक्रम प्रारंभ का आयोजन किया गया, जिसमें इसकी जानकारी दी गई। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी के निर्देशन एवं सिविल सर्जन डॉ. अशीषन मिंज के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल केयर फाउंडेशन द्वारा प्रारंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सिकल सेल बीमारी से पीड़ति मरीजों एवं उनके परिजनों को बचाव और प्रबंधन की सही जानकारी के प्रति जागरूक करना था। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव व्लैड, डॉ. हेमन्त साहू, शिशु रोग विशेषज्ञ व डॉ. विनिता ध्रुवे, सीनियर मेडिकल ऑफिसर गायनिक विभाग, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा, प्रितिका पवार प्रोग्राम एसोसिएट, डॉ. वैद्यनाथ, ललित कुमार पारगी, सिकल संगवारी टीम, सिकल केयर फाउन्डेशन सलाहकार सदस्य डॉ. तरुण साहू की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

सावधानी बरतने व जीवनशैली में आवश्यक सुधार पर दिया जोर

डॉ. हेमन्त साहू, शिशु रोग विशेषज्ञ व डॉ. विनिता ध्रुवे, सिनियर मेडिकल ऑफिसर गायनिक विभाग द्वारा सिकल सेल रोगों के लक्षण, उपचार, नियमित जांच, पोषण, गर्भावस्था के समय सिकल रोगी मरीजों को विशेष सावधानी बरतने एवं जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। सिकल रोग की समय पर पहचान सही देखभाल व नियमित हाइड्रोक्सी यूरिया के सेवन से इस रोग को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सिकल सेल उन्मुलन कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जिले में चिन्हांकित 1053 सिकल सेल रोग वाले मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। जो की राज्य में प्रथम स्थान पर है।

100 से अधिक सिकल सेल के मरीज भी हुए शामिल

कार्यक्रम में दुर्ग जिले के 100 से अधिक सिकल सेल रोग के मरीज व उनके परिजन उपस्थित रहे। सिकल सेल रोग वाले मरीजों ने मंच के सामने अपनी कहानी एक दूसरे के साथ साझा की जिससे और लोगों को इस बीमारी से लड़ने की प्रेरणा मिली। दर्द के बावजूद मुस्कुराना क्या होता है, मुश्किलों में आगे बढ़ना क्या होता है, हर दिन हिम्मत के साथ जीना क्या होता है. सिकल सेल रोग मरीजों की कहानी दर्द से शुरू हो सकती है, लेकिन उसका अंत जीत से होगी। प्रत्येक व्यक्ति सिकल सेल का जांच अवश्य करायें इस अपील के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

मरीज टोलफ्री नंबर 155217 में ले सकते हैं जानकारी

अधिकारियों ने बताया कि मरीज या उनके परिजन सिकलसेल के बारे में टोलफ्री नंबर 155217 पर जानकारी ले सकते हैं। बायो केमेस्ट्री विभाग सिकलसेल मरीजों के लिए टोल फ्री नंबर 155217 शुरू कर चुका है। इस नंबर पर फोन कर सिकलसेल के मरीज व कोई भी व्यक्ति इस बीमारी के संबंध में अपनी शंकाओं का समाधान कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार दूसरे राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में सिकलसेल के मरीज व वाहक की संख्या ज्यादा है। विशेषज्ञों के अनुसार यहां 25 लाख सिकलसेल के वाहक हैं और ढाई लाख से ज्यादा मरीज हैं। वाहकों को कोई इलाज की जरूरत नहीं होती। डॉक्टरों ने बताया कि मरीज ज्यादा होने के कारण ही यहां ओपीडी की व्यवस्था की गई है। काउंसिलिंग व दवा निःशुल्क दी जा रही है। दुर्ग के अलावा रायपुर, महासमुंद, कवर्धा, गरियाबंद, बालोद, बेमेतरा, बलौदाबाजार में सर्वे किया गया है।

सिटी स्पोर्ट्स

दो दिवसीय रायपुर डिस्ट्रिक्ट अंडर-9 एवं 17 शतरंज टूर्नामेंट 3 से

रायपुर। शतरंज अकादमी बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, स्वामी विवेकानंद सरोवर के सामने रायपुर डिस्ट्रिक्ट अंडर-9 एवं 17 का दो दिवसीय आयोजन 3 और 4 जून को किया जा रहा है। जिसमे रायपुर जिले के उपरोक्त आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाडी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 1 जून रखी गई है।

प्रतियोगिता 6 राउंड में खेली जाएगी। दोनों श्रेणी में टॉप 2 बच्चों का चयन किया जाएगा। जो स्टेट चैंपियनशिप मे रायपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। टॉप 03 आकर्षक ट्रॉफियाँ एवं सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट और मैडल प्रदान किया जाएगा। अंडर-9 में 1 जनवरी 2017 या उसके बाद जन्म लिए बालक बालिकाएं इस स्पर्धा में भाग लेने की पात्रता रखते है। वहीं अंडर-17 में 1 जनवरी 2009 या उसके बाद जन्म लिए बालक बालिकाएं इस स्पर्धा में भाग लेने की पात्रता रखते है। इच्छुक प्रतिभागी रवि कुमार, विनोद शर्मा, रोहित यादव, दीपांकर सेन गुप्ता और अनिल शर्मा से संपर्क कर सकते हैं।

लेवल-1 कोचिंग कोर्स उत्तीर्ण कर छत्तीसगढ़ के प्रथम कोच बने मृणाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक मृणाल चौबे ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ लेवल-1 हॉकी कोचिंग कोर्स उत्तीर्ण कर ली है। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले छत्तीसगढ़ के प्रथम हॉकी कोच बन गए हैं।

मृणाल चौबे इससे पूर्व राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला से स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल कर चुके हैं। वर्तमान में वे रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में युवा खिलाड़ियों को निःशुल्क हॉकी प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं, जिससे अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी लाभान्वित हो रहे हैं। मृणाल वर्तमान में महालेखाकार कार्यालय रायपुर में अपनी सेवाएं देते हुए हॉकी के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान प्रदान कर रहे हैं। इस विशेष उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी इंडिया, जिला हॉकी संघ एवं महालेखाकार कार्यालय रायपुर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ हॉकी प्रशिक्षकों भूषण साव,अनुराज श्रीवास्तव,मनीष गौतम, एनथ्रेन्स मिंज एवं तनवीर अकील के मार्गदर्शन को भी अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। मृणाल चौबे को छत्तीसगढ़ के अलावा पंजाब सरकार के पटिआला हॉकी अकादमी, राउंडग्लास हॉकी अकादमी, मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, ओडिशा स्टेट हॉकी टीम तथा नवल टाटा हॉकी अकादमी में गेस्ट कोच के रूप में कार्य करने का अनुभव प्राप्त है। उनके इस व्यापक अनुभव का लाभ प्रदेश के खिलाड़ियों को निरंतर मिल रहा है।

राष्ट्रीय वुडबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

रायपुर। रायपुर स्थित कृष्णा विकास ग्लोबल स्कूल में आयोजित 20वीं सीनियर राष्ट्रीय वुडबॉल चैंपियनशिप में सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में देशभर की कुल 24 टीमों ने भाग लिया। सरगुजा वुडबॉल संघ के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अर्जित किए। सीनियर गर्ल्स स्ट्रोक इवेंट में साक्षी कुमारी, सुरभि शर्मा, श्रीजल जायसवाल एवं अनु जायसवाल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। वहीं सीनियर बॉयज डबल्स इवेंट में आकाश दुबे ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अलावा संदीप सिंहा एवं राजपाल कुजूर ने भी प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सरगुजा जिले से रजत सिंह, अभिजीत झा, प्रिया जायसवाल एवं खुशबू गुप्ता ने निर्णायक (रेफरी) के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। राष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक की भूमिका निभाने पर उन्हें सम्मानित भी किया गया।राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह व संजय अग्रवाल, निशांत सिंह गोल्डी, सौरभ सिंहा, सुनैना जायसवाल, आकाश गुप्ता समेत सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ एवं सरगुजा वुडबॉल संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

जानिए शरीर में खून का थक्का बनने की वजह

गंभीर समस्याओं की वजह बन सकता है शरीर में खून का थक्का, प्रतिरक्षा तंत्र पर आ सकता है गंभीर संकट

शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

हमारे शरीर का मैकेनिज्म ऐसा है कि ये खुद से ही अपनी रक्षा कर सकता है। ये तंत्र लगातार काम करता रहता है, इस तरह से, कि कई बार आपको पता भी नहीं चलता और शरीर कई समस्याओं से मुकाबला करके आपको बड़ी दिक्कतों से बचा लेता है। खून के थक्के बनना (ब्लड क्लॉटिंग) भी ऐसी ही एक स्थिति है जो शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शरीर रक्त के थक्के बनाकर चोट और रक्तस्राव की स्थिति में ज्यादा खून बहने से बचाता है। खून के थक्के बनना अच्छा संकेत है, पर अगर ये थक्के अधिक या बिना किसी कारण के बनने लगें तो इसके गंभीर और जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या

गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के लिए भी अनावश्यक रूप से खून के थक्के बनने को कारण माना जाता है।

रक्तस्राव की स्थिति में फायदेमंद है ब्लड क्लॉटिंग

रक्तस्राव की स्थिति में आपका लिवर तुरंत एक्टिव हो जाता है और आपके खून में मौजूद प्लेटलेट्स को चिपकाकर रक्त के थक्के बनाता है और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है। हालांकि कुछ स्थितियों में शरीर में बिना चोट के भी थक्के बनने लगते हैं जिसके कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। रक्त के थक्के जमने की इस तरह की समस्या खतरनाक हो सकती है, खासकर तब जब इसका समय पर इलाज न मिले। धमनियों में रक्त के थक्के बनने से हृदय तक रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है जिससे हार्ट अटैक-स्ट्रोक हो सकता है।

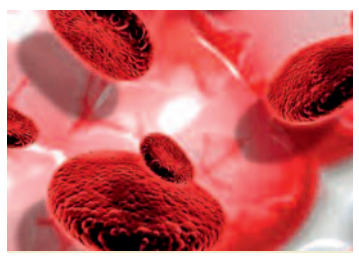

ब्लड क्लॉटिंग के कारण होने वाली दिक्कतें

नसों में रक्त के थक्के बनने पर ये रक्तप्रवाह के माध्यम से शरीर के अन्य हिस्सों में भी जा सकते हैं। डीप वेन थ्रोम्बोसिस- आपके पैर, हाथ, लिवर, आंतों या किडनी की नसों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है। पल्मोनरी एम्बोलस- आपके फेफड़ों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है। धमनियों में रक्त के थक्के बनने की स्थिति स्ट्रोक, दिल का दौरा, पैरों में गंभीर दर्द, चलने में कठिनाई जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

खून के थक्के क्यों बनते हैं?

लंबे समय तक बैठने या लेटे रहने (शारीरिक रूप से निष्क्रिय लोग) से खून का बहाव धीमा हो जाता है, इसके कारण भी खून के थक्के बनने की समस्या हो

सकती है। गर्भनिरोधक गोलियां और हार्मोन थेरेपी शरीर में एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ाकर थक्के बनने की आशंका बढ़ा देती हैं। अनावश्यक रूप से अगर शरीर में खून के थक्के बनने लगें तो इसका समय पर निदान और इलाज जरूरी हो जाता है। कुछ लोगों को आनुवंशिक (माता-पिता से विरासत में मिली) रूप से ये समस्या हो सकती है। आमतौर पर सर्जरी, चोट, दवाओं या किसी ऐसी चिकित्सा स्थितियों के कारण भी आपको ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हो सकती है।

डम्बल शोल्डर श्रग एक्सरसाइज करने से मिलते हैं बड़े फायदे

जिम में वर्कआउट करते हुए हम अपनी बॉडी के हर पार्ट की एक्सरसाइज करते हैं। चेस्ट व बैक की ही तरह शोल्डर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाता है। शोल्डर डे के दिन कई तरह की एक्सरसाइज को लोग अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है डम्बल शोल्डर श्रग्स। इसे एक बेहतरीन एक्सरसाइज माना जाता है, जो आपके शोल्डर को मजबूत बनाने में मदद करती है। साथ ही, आपको गर्दन में अकड़न या दर्द की शिकायत होने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। यह एक बेहद ही सिंपल एक्सरसाइज मानी जाती है, जिसे हर कोई अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल कर सकता है। लेकिन इसके ढेर सारे फायदे हैं। हो सकता है कि आपको लगे कि डम्बल शोल्डर श्रग्स करते हुए बस डम्बल पकड़कर कंधों को ऊपर-नीचे ही तो करना है, लेकिन इसका असर जबरदस्त होता है। तो चलिए आज इस लेख में पावरलिफ्टिंग में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर और एनीटाइम फिटनेस के फिटनेस ट्रेनर विनय माहौर आपको बता रहे हैं कि डम्बल शोल्डर श्रग्स करने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं- डम्बल शोल्डर श्रग एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके ट्रैप्स यानी ट्रैपेज़ियस मसल्स पर काम करती है। ये मसल्स आपके शोल्डर के ऊपरी हिस्से और गर्दन के आस-पास होते हैं। जब ये मसल्स स्ट्रॉन्ग होते हैं तो आपके शोल्डर और गर्दन की शेप भी काफी अच्छी आती है। इससे आपके शोल्डर चौड़े और ज़्यादा परिभाषित दिखते हैं।

पोश्चर होता है बेहतर

आज के समय में शरीर में होने वाले अधिकतर दर्द के पीछे की वजह बैड पोश्चर होता है। हममें से ज़्यादातर लोग घंटों मोबाइल या लैपटॉप पर झुके रहते हैं, जिससे पीठ झुक जाती है और शोल्डर आगे आ जाते हैं। ऐसे में डम्बल शोल्डर श्रग करने से आपको फायदा मिल सकता है। श्रग्स आपके कंधों को ऊपर और पीछे खींचते हैं, जिससे आपका बॉडी पोश्चर सुधरता है। अच्छा पोश्चर होने की वजह से गर्दन और पीठ के दर्द की शिकायत भी काफी कम हो जाती है।

डेली काम बनता है आसान

आपको शायद पता ना हो, लेकिन डम्बल शोल्डर श्रग करने से आपका डेली काम भी काफी आसान बन जाता ह। दरअसल, यह एक्सरसाइज आपके ट्रैप्स मसल्स को स्ट्रॉन्ग बनाती है और ट्रैप्स मसल्स स्ट्रॉन्ग होने से रोज़ के काम जैसे भारी बैग उठाना, बॉक्स शिफ्ट करना या बच्चों को गोद में उठाकर रखना भी आसान हो जाता है। श्रग्स करने से आप अपने दैनिक जीवन में वजन उठाने में अधिक आसानी महसूस करते हैं।

लू से बचना है तो अपनाइए इन्हें

चिलचिलाती गर्मी की वजह से लोगों के शरीर में पानी की कमी होना बेहद आम बात है। इसी के चलते इस मौसम में डॉक्टर्स ऐसे पकवानों के सेवन की सलाह देते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट रखते हैं। क्योंकि अगर शरीर हाइड्रेट नहीं रहेगा तो लू लगने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसी के चलते इस मौसम में ऐसे ही पकवानों का सेवन बढ़ा देना चाहिए, जिसकी वजह से शरीर को गर्मी से राहत मिले। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप इस मौसम में भी खुद को फिट रख सकें।

सत्तू का शरबत

यदि आप लू से बचकर रहना चाहते हैं तो अपने रूटीन में सत्तू के शरबत को शामिल करें। सत्तू का शरबत शरीर को गर्मी से राहत दिलाता है। इसे आप चाय और कॉफी की जगह पी सकते हैं। इसे कई तरह से पिया जा सकता है। बहुत से लोग सत्तू का शरबत मीठा पीते हैं, तो वहीं बहुत से लोग इसमें नमक, प्याज, हरी मिर्च बगैरह डालकर पीते हैं।

मसाला छाछ

लू से बचने के लिए मसाला छाछ एक बेहतर विकल्प मानी जाती है। इसको आप आसानी से तैयार करके पी सकते हैं। अब तो बाजार में मसाला छाछ के पैकेट भी मिलते हैं, जिसको खरीद कर आप कभी भी पी सकते हैं। तो चाय-कॉफी छोड़िए और मसाला छाछ सा सेवन शुरू कीजिए।

आम पना

बाजार में इस वक्त कच्चे आम मिलने लगे हैं। ऐसे में आप आम पना बनाकर उसका सेवन भी कर सकते हैं। आम पना पीने में काफी स्वादिष्ट लगता है। चाहें तो

इसे अपने स्वाद के हिसाब से खट्टा या फिर मीठा बनाएं। इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकालना है और फिर उसमें मसाले डालने हैं।

खीरे या ककड़ी का रायता

ककड़ी और खीरा दोनों ही चीजें शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करती हैं। ऐसे में आप ककड़ी और खीरे का रायता बनाकर भी उसका सेवन कर सकते हैं। दही वैसे भी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, ऐसे में जब आप उसमें ककड़ी और खीरा मिक्स करेंगे तो उसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

बेल का शरबत

बेल का फल गर्मियों के मौसम में ही आता है। इसलिए आप बेल का शरबत बनाकर भी उसका सेवन कर सकते हैं। गर्मी के मौसम में ठंडा-ठंडा बेल का शरबत शरीर को राहत पहुंचाने का काम करेगा। इससे सेवन से आप लू से भी बचे रहेंगे।

मच्छरों के काटने से हो रही है खुजली तो आजमाएं ये नुस्खे

गर्मी के मौसम में मच्छरों का आतंक काफी ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसे में आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में जानना चाहिए, जिससे आपको खुजली से राहत मिलेगी। ऐसे में घरेलू नुस्खे एक आसान, सस्ते और सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं।

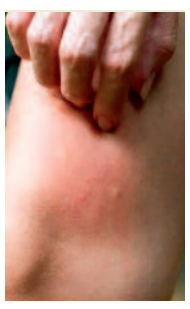

लगाएं बर्फ

सबसे आसान और तुरंत असर देने वाला उपाय बर्फ है। बर्फ को सीधे त्वचा पर लगाने के बजाय कपड़े में लपेटकर इस्तेमाल करना चाहिए। इससे प्रभावित हिस्से की नसें थोड़ी सुन्न हो जाती हैं, जिससे खुजली का एहसास कम होता है। साथ ही सूजन और लालिमा भी धीरे-धीरे कम होने लगती है। 5–10 मिनट तक बर्फ लगाने से अच्छा असर दिखता है।

एलोवेरा आएगा काम

एलोवेरा एक प्राकृतिक कूलिंग एजेंट की तरह काम करता है। ताजा एलोवेरा जेल लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और जलन तुरंत शांत होती है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुण त्वचा को ठीक करने में मदद करते हैं। इसे दिन में 2–3 बार लगाया जा सकता है।

शहद करें इस्तेमाल

शहद का उपयोग भी काफी फायदेमंद होता है। यह त्वचा को मॉइश्चर देता है और बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। अगर खुजली के साथ हल्का घाव या लाल दाने हैं, तो शहद लगाने से तेजी से राहत मिलती है। इसे 10–15 मिनट तक लगाकर हल्के गुनगुने पानी से धो सकते हैं।

कार्नर न्यूज

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के मुकाबले धमतरी और राजहरा में जारी

एलिट ग्रुप क्रिकेट में अंश ने 127 और यश ने बनाए 75 रन, शानदार मुकाबले जारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में शानदार मुकाबले हुए। धमतरी में हुए मैच में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) विरुद्ध बिलासपुर में बल्लेबाजी करते हुए बिलासपुर ने पहली पारी में 5 विकेट पर 355 रन बनाए। इनमें अंश कोरी ने 127, यश शर्मा ने 75 रन, आदित्य बैडवाल ने 55 रन, आरुष कापसे ने नॉट आउट 54 रन एवं प्रज्वल इथापे ने 21 रन बनाए। गेंदबाजी में बीसीए के अयांश सागर, जसराज सिंह सोहल, के मोहित, साईं जय, साईं आदित्य एवं कुंदन कोठारी ने एक-एक विकेट लिए।

दल्ली राजहरा में हुए मैच में टीम प्लेट कंबाइंड विरुद्ध रायपुर ब्लू में बल्लेबाजी करते हुए प्लेट कंबाइंड टीम पहली पारी में 116 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी करते हुए रायपुर ब्लू टीम पहली पारी में 169 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड ने दूसरी पारी एक विकेट पर 75 रन बनाए। अनुराग टोप्पो ने नॉट आउट 29 रन, युवराज वर्मा ने 26 रन और लसित

गोस्वामी ने नॉट आउट 12 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर ब्लू के शौर्य जायसवाल ने एक विकेट लिया।

संजय, अर्जुन, बसंत और हरेंद्र रहे प्लेयर ऑफ द मैच

इस्पात सुपर प्रो सॉफ्ट बॉल लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को शानदार मैच हुए। बीएसपी इस्पात क्लब की ओर से मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में पहला मैच ब्लैक थंडर विरुद्ध सम्राट -11 में परिणाम सम्राट -11 ने चार विकेट से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच संजय मनहरे रहे। दूसरा मैच मोक्ष- 11 विरुद्ध एच आर -11 में परिणाम एच आर 11 ने 4 विकेट से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच अर्जुन त्यागी रहे। तीसरा मैच ब्लैक थंडर विरुद्ध मावेरिक में परिणाम मावेरिक ने 9 विकेट से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच बसंत रहे। चौथा मैच रॉयल स्ट्राइकर विरुद्ध मावेरिक में परिणाम मावेरिक ने 6 विकेट से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच हरेंद्र कुमार रहे। पांचवा मैच वीकेंड लाइंस विरुद्ध भिलाई जाएंट्स परिणाम वीकेंड लाइंस ने 16 रन से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच योगेश साहू रहे। अंपायर हरप्रीत सिंह, मोहम्मद दाऊद अंसारी, सुनील कुमार डड़सेना एवं पियूष साहू रहे। स्कोरर विवेक सिंघम रहे। यह जानकारी आयोजक अरविंद सिंह एवं वीरेंद्र गोस्वामी ने दी।

टाटा आईपीएल के फैन पार्क में आज से क्रिकेट का रोमांच

यहां बड़ा दशहरा मैदान रिसाली के फैन पार्क में क्रिकेट प्रेमी निःशुल्क एंट्री के साथ क्रिकेट का लुत्फ उठाएंगे। यहां 23 मई शनिवार को 5.30 बजे शाम और 24 मई रविवार को दोपहर ढाई बजे से क्रिकेट फैंस टाटा आईपीएल के मुकाबले देख और मैदान के फील के साथ एन्जॉय कर सकते है। इस वीकेंड कुल तीन मुकाबले खेले जायेंगे, जिसका भरपूर आनंद क्रिकेट फैंस को एक नए अंदाज़ में देखने को मिलेगा।

चैलेंजर ट्रॉफी का अंतिम लीग मैच आज

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर 23 एवं सीनियर महिला एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत अंतिम लीग मैच 23 मई को होंगे। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम नॉर्थ जोन विरुद्ध साउथ जोन और कल्याण कॉलेज ग्राउंड सेक्टर-7 में टीम ईस्ट जोन विरुद्ध वेस्ट जोन का मैच होगा।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बुरे फंसे निक पास्कल, एक्स गर्लफ्रेंड पर जानलेवा हमले का लगा आरोप

'हाउ आई मेट योर मदर' एक्टर निक पास्कल पर गंभीर आरोप लगे हैं। निक पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड एली शीहॉर्न पर चाकू से 20 बार हमला करने का आरोप है। अब

इस मामले पर कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है, जिसके बाद उन्हें उम्रकैद भी हो सकती है। जानिए क्या है पूरा मामला।
पास्कल की एक्स गर्लफ्रेंड शीहॉर्न लॉस एंजिल्स में रहती थी। कोर्ट रिकॉर्ड्स के मुताबिक, 23 मई 2024 को निक कथित तौर पर एली शीहॉर्न के घर में घुस गए थे और उन पर 20 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया था। इस हमले में एली बुरी तरह घायल हो गई थीं और उन्हें लंबे समय तक इलाज कराना पड़ा। एली की एक दोस्त ने बताया कि हमले के बाद उन्हें कई सर्जरी करवानी पड़ीं और रिकवरी में काफी लंबा समय लगा। इस मामले ने सोशल मीडिया और आम लोगों के बीच भी काफी चर्चा बटोरी, क्योंकि आरोप बेहद गंभीर थे।
अब इस केस में अगला कदम सजा सुनाए जाने का है। निक पासक्वाल को अधिकतम उम्रकैद की सजा मिल सकती है। कोर्ट 2 जून 2026 को लॉस एंजेलिस में उनकी सजा पर अंतिम फैसला सुनाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल 2024 के एक अलग मामले में भी निक पासक्वाल को जबरदस्ती रेप का दोषी ठहराया गया था। अब देखना होगा कोर्ट 2 जून को क्या फैसला सुनाती है। अब ये केस काफी चर्चाओं में आ गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स इस पर कड़े रिएक्शन दे रहे हैं। कई लोग हैरान हैं कि 'हाउ आई मेट योर मदर' की सीधा-साधा एक्टर इतना गंभीर अपराध कैसे कर सकता है।

टॉलीवुड

निर्देशक बने विजय के बेटे को इस शख्स ने दिया इंडस्ट्री में आने का मौका

साउथ के सुपरस्टार और तमिलनाडु के सीएम थलापति विजय चुनाव के वक्त से ही चर्चा में हैं। इस बीच उनके बेटे जेसन संजय भी चर्चा में हैं। बतौर निर्देशक

वह अपनी डेब्यू फिल्म 'सिग्मा' को लेकर खबरों में बने हुए हैं। यह फिल्म लाइका प्रोडक्शंस के तहत बन रही है। इसमें संदीप किशन ने अहम किरदार निभाया है। जेसन संजय के दादा एसए चंद्रशेखर जाने माने फिल्ममेकर हैं। उनके पिता थलापति विजय सुपरस्टार हैं। हालांकि उन्हें निर्देशक बनने का मौका दोनों में से किसी से नहीं मिला है। तमिल सिनेमा के पीआरओ वित्तगन शेखर ने बताया है कि जेसन संजय को निर्देशक बनने का मौका उनकी मां संगीता सोनालिंगम के परिवार की वजह से मिला है। वित्तगन शेखर के मुताबिक जेसन के नाना सोनालिंगम लंदन में रहते हैं। वह कारोबारी हैं। लाइका प्रोडक्शन के फाउंडर सुबास्करण भी लंदन में रहते हैं। दोनों अच्छे दोस्त हैं। शेखर ने आगे बताया कि सोनालिंगम ने ही सुबास्करण से बात करके जेसन संजय को 'सिग्मा' के निर्देशक के तौर पर मौका दिलवाया।
हाल ही में फिल्म 'सिग्मा' का टीजर रिलीज हुआ है। टीजर के मुताबिक यह फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है। इसे दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि यह फिल्म जेसन संजय के करियर की बड़ी शुरुआत है। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि 'सिग्मा' में जेसन संजय 'विजय' नाम का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह अपना नाम 'जेसन संजय एस' लिखेंगे। 'एस' उनकी मां संगीता सोनालिंगम के नाम का प्रतीक है।

भोजपुरी

खेसारी के नए गाने 'भतार भगवान' ने उड़ाया गर्दा, फैंस बोले- ब्लॉकबस्टर

खेसारी लाल यादव का एक नया भोजपुरी गाना आया है, जो यूट्यूब पर छा गया है और फैंस को खूब पसंद आ रहा है। गाने के बोल हैं 'भतार भगवान' और इसमें एक्ट्रेस श्रुति राव के साथ केमिस्ट्री खूब पसंद की जा रही है।

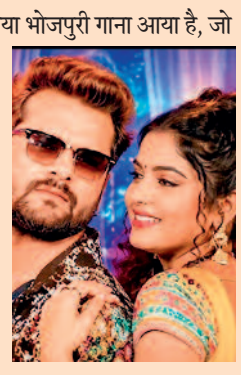

खेसारी लाल यादव के नए गाने 'भतार भगवान' ने उड़ाया गर्दा, फैंस बोले- ब्लॉकबस्टर, सुनने का मन कर रहा भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव एक के बाद एक धड़ाधड़ गाने रिलीज कर रहे हैं, जो यूट्यूब पर छाए हुए हैं। अब उनका एक और गाना आया है, जो चर्चा में है। इस गाने के बोल हैं 'भतार भगवान' और यह रिलीज होते ही छा गया है। गाने में खेसारी के साथ श्रुति राव हैं और दोनों की केमिस्ट्री आग लगा रही है। गाने के म्यूजिक और खेसारी-श्रुति के रोमांस की खूब तारीफ हो रही है। 'भतार भगवान' को खेसारी लाल यादव के साथ शिल्पी राज ने गाया है और दोनों की आवाज ने गजब का जादू कर दिया है। फैंस 'भतार भगवान' का वीडियो देख दीवाने हो गए हैं और तारीफ कर रहे हैं। खेसारी का हर गाना खूब एनर्जेटिक होता है और उनकी धूम हमेशा ही रहती है। इस गाने के बोल अभिषेक भोजपुरिया ने लिखे हैं, जबकि म्यूजिक गोविंद मिश्रा ने दिया है। वहीं पप्पू प्रेमी इस गाने के कंपोजर हैं। रिलीज के 11 घंटे के अंदर ही 'भतार भगवान' गाने को साढ़े आठ लाख से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। गाने का वीडियो देख एक फैन ने लिखा है, 'इसे बार-बार सुनने का मन कर रहा है।

ट्रेंड सेटर

पेरिस फैशन वीक से फैशन की दुनिया के कुछ सबसे बड़े और बेहतरीन डिज़ाइन्स पर लोगों की खास नज़र पड़ी। पिछले दो हफ़्तों में, दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े और बेहतरीन फ़ैशन डिज़ाइनर और मशहूर हस्तियाँ 'पेरिस फ़ैशन वीक' के लिए फ़्रांस में इकट्ठा हुए। यह इवेंट डिज़ाइनरों को आने वाले साल के लिए अपने कुछ नए कपड़ों के डिज़ाइन, और साथ ही अपने कुछ ज़्यादा बोल्ड और क्रिएटिव शो-पीस दिखाने का मौका देता है।

करी पत्ता और दही की मदद से मिलेगा चमकता चेहरा

दमकती स्किन पाने की हसरत आखिर किसकी नहीं होती, लेकिन इसके लिए महंगे प्रोडक्ट्स या केमिकल बेस्ड ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करना शायद उतना बेहतर ऑप्शन नहीं है। हमेशा यह सलाह दी जाती है कि आप नेचुरल तरीके से अपनी स्किन की केयर करें और उसे ब्राइटन बनाने के लिए उपाय अपनाएं। ऐसे में करी पत्ता और दही को इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। ये दोनों इंग्रीडिएंट्स आपकी स्किन को नेचुरली चमकदार, साफ और फ्रेश बनाने में मदद करते हैं। अमूमन हम सभी अपनी डाइट में इन दोनों इंग्रीडिएंट्स को शामिल करते हैं, जबकि आपको इसे अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा भी बनाना चाहिए। जहां करीपत्ते में मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट्स स्किन की डलनेस और पिगमेंटेशन को कम करते हैं। वहीं, दही में पाया जाने वाला लैक्टिक एसिड स्किन को जेंटल तरीके से एक्सफोलिएट करता है, जिससे स्किन ग्लोइंग बनती है। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको बता रही हैं कि करीपत्ता और दही आपकी

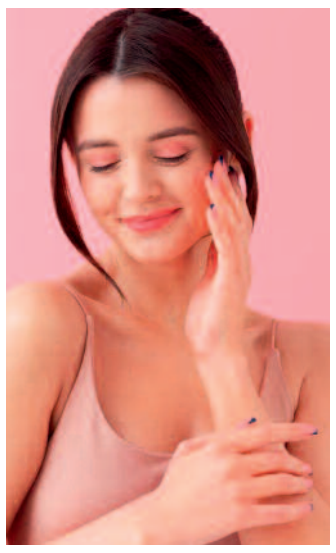

स्किन को ब्राइटन बनाने में किस तरह मददगार साबित हो सकता है-

ब्राइटन स्किन पाने में करीपत्ता और दही किस तरह मददगार है

करीपत्ता और दही का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को बहुत अधिक फायदा पहुंचाता है। जहां करीपत्ते में विटामिन ए, सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स आदि पाए जाते हैं, जो स्किन में मौजूद फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं और डलनेस और पिग्मेंटेशन को कम करने में मदद करते हैं। वहीं, इनमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दाग-धब्बे और टैनिंग को भी कम करने में मदद करते हैं। जबकि दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो एक माइल्ड एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। ये डेड स्किन सेल्स को हटाकर स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाता है। दही एक नेचुरल ब्लीच की तरह भी काम करती है, जिससे स्किन अधिक इवन टोन व ग्लोइंग बनती है।

करी पत्ते और दही से बनाएं फेस पैक

स्किन ब्राइटनिंग के लिए आप करी पत्ते और दही की मदद से फेस पैक बनाकर इस्तेमाल कर सकती है। इससे स्किन फ्रेश और सॉफ्ट लगती है। साथ ही साथ, डलनेस और टैनिंग भी दूर होती है। इसके लिए आवश्यक सामग्री 10-15 करीपत्ता और दो बड़े चम्मच दही चाहिए।

न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट हैं लेटेस्ट डिजाइंस वाले कुर्ती-पैंट

अगर आप कुर्ती-पेंट स्टाइल करने की सोच रही हैं तो, आप इस तरह के कुर्ती-पेंट सेट का चुनाव कर सकती हैं और इस आउटफिट में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत और अलग नजर आएगा। ऑफिस या किसी खास मौके पर शामिल होने के दौरान महिलाएं स्टाइलिश लुक चाहती हैं। वहीं अगर आप ऐसा चाहती हैं तो, कुर्ती-पेंट सेट का चुनाव कर सकती हैं। यह कुर्ती-पेट ऑफिस जाने के दौरान साथ ही, किसी भी पार्टी या किसी खास मौके परशामिल होने के दौरान वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। इस आउटफिट में जहां आपका लुक न्यू नजर आएगा तो, साथ ही आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी।

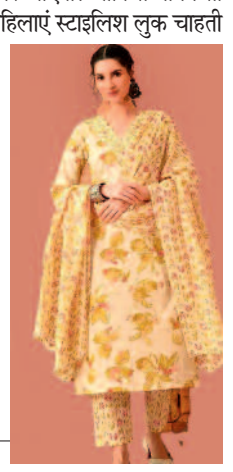

लेटेस्ट डिजाइंस वाले कुर्ती-पेंट सेट

न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए हम आपको 3 लेटेस्ट डिजाइंस वाले कुर्ती-पेंट सेट दिखा रहे हैं। इस तरह के आउटफिट में जहां आपका लुक न्यू और स्टाइलिश नजर आएगा तो, साथ ही आप सुंदर भी नजर आएंगी।

फ्लोरल प्रिंट कुर्ती-पेंट सेट

फ्लोरल आउटफिट महिलाएं काफी पसंद करती हैं और इस फ्लोरल प्रिंट आउटफिट में आपका लुक सुंदर भी नजर आता है। वहीं अगर आप फ्लोरल प्रिंट में कुछ पहनने का सोच रही हैं तो, आप इस तरह के आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं। इस आउटफिट में आपका लुक खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आएगा और इसे आप 1,000 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इस सूट के साथ आप सिंपल पर्ल वर्क इयरिंग्स स्टाइल कर सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ती-पेंट सेट

स्टाइलिश लुक के लिए अप इस तरह के प्रिंटेड कुर्ती-पेंट सेट का चुनाव कर सकती हैं। इस प्रिंटेड कुर्ती-पेंट सेट में प्रिंट करके बेहद ही खूबसूरत डिजाइन बनाया गया है साथ ही, इस प्रिंटेड कुर्ती-पेंट सेट को स्टाइल करने के बाद आप सुंदर भी नजर आएंगी।

साड़ी लुक को खूबसूरत बना देंगे स्टाइलिश ब्लाउज

भारतीय महिलाएं साड़ी न पहनने ऐसा हो ही नहीं सकता है। ऐसे में अगर आप भी किसी ख़ास फंक्शन में साड़ी पहनना चाहती हैं और सभी के सामने अपनी खूबसूरती से सभी को खुश करना चाहती हैं, तो ये खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे डिजाइनर ब्लाउज बताएंगे, जिन्हें आप ट्राई कर अपने साड़ी लुक को अट्रैक्टिव और गॉर्जियस बना सकती हैं।

प्रिंटेड पान ज़री साड़ी ब्लाउज

अगर आप अपने घर की शादी या किसी भी ख़ास फंक्शन में साड़ी पहनने वाली हैं, तो अब आप अपने साड़ी लुक को बेहतरीन बनाने के लिए इस खूबसूरत प्रिंटेड पान ज़री साड़ी ब्लाउज को शामिल कर सकती हैं। इस ब्लाउज को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं। आप चाहें तो इस ब्लाउज को अपनी साइज के हिसाब से टेलर की मदद से बनवा सकती हैं। यह ब्लाउज आपके साड़ी लुक को एलिगेंट टच देने में बेहद मदद करेगा।

स्क्वायर नेक साड़ी ब्लाउज

अगर आप अपने ऑफिस या कॉलेज में अपने साड़ी लुक से सभी को दीवाना बनाना चाहती हैं, तो अब आप अपने किसी भी साड़ी लुक के साथ इस खूबसूरत डिजाइनर ब्लाउज को शामिल कर सकती हैं। इस ब्लाउज की खूबसूरती आपको मॉडर्न और रॉयल लुक देने में बेहद मदद करेगी। आप इसे अपनी साइज के हिसाब से टेलर से बनवा सकती हैं या मार्केट से ऐसे ब्लाउज को रेडीमेड खरीद सकती हैं। अपने साड़ी लुक को भीड़ से हटके दिखाने के लिए अगर आप भी काफी कोशिशें करती हैं, तो अब आप इस खूबसूरत ब्लाउज को भी ट्राई कर सकती हैं।

अपने फेस शेप के हिसाब से चुनें टीका

जब भी हम खुद को स्टाइल करती हैं तो तरह-तरह की एक्सेसरीज को अपने लुक का हिस्सा बनाना पसंद करती हैं। इयररिंग्स से लेकर नेकपीस तो हम लड़कियां अक्सर ही पहनती हैं। लेकिन अगर आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में मांग टीका को अपने लुक का हिस्सा बनाएं। यकीन मानिए, मांग टीका स्टाइल करते के साथ ही आपका लुक पूरा बदल जाएगा। लेकिन यह केवल तभी संभव है, जब आप सही मांग टीका का चयन करें।
दरअसल, मार्केट में कई अलग-अलग तरह के डिजाइन्स के मांग टीका मिलते हैं, जिन्हें अक्सर हम बस उनकी खूबसूरती देखकर खरीद लेते हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि हर डिजाइन हर किसी पर अच्छा ही लगे। इसके लिए पहले आपको अपने फेस शेप पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यह कुछ ऐसे ही है, जिस तरह आप अपने बॉडी शेप को ध्यान में रखकर आउटफिट खरीदती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपके फेस शेप पर किस तरह का मांग टीका डिजाइन अच्छा लगेगा-
राउंड फेस शेप के लिए मांग टीका
अगर आपका फेस शेप राउंड है तो ऐसे में यकीनन आपके गाल थोड़े चौड़े होंगे और चेहरे की लंबाई और चौड़ाई करीब-करीब बराबर होगी। ऐसे में आप लंबा व

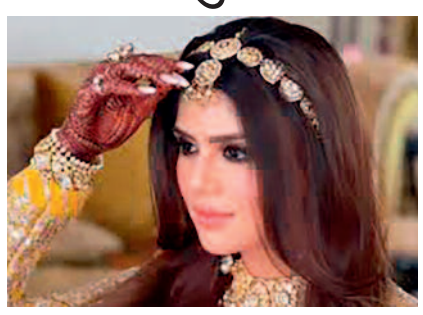

सीधा मांग टीका स्टाइल करने की कोशिश करें। इससे आपका चेहरा थोड़ा लंबा नजर आएगा। इसके अलावा, पेंडेंट स्टाइल मांग टीका भी आपके चेहरे को स्लिम दिखाएगा। कभी भी आपको बहुत चौड़े या गोल मांग टीके नहीं पहनने चाहिए, क्योंकि ये आपके चेहरे को और भी गोल दिखा सकते हैं। मांग टीका पहनते समय पहले माथे का हिस्सा बीच में करें और बालों को दोनों तरफ थोड़ा वॉल्यूम दें, इससे लुक बैलेंस्ड लगेगा।
ओवल फेस शेप के लिए मांग टीका
ओवल फेस शेप की खास बात यह होती है कि इस पर लगभग सभी डिजाइन अच्छे लगते हैं। इसलिए, अगर आप चाहें तो अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंटल हो सकती हैं।

कार्नर न्यूज

पार्टी के लिए कुछ खास तरीके से होनी चाहिए आपकी ग्रूमिंग

पार्टी में जाने की तैयारी है तो पहले याद रखिए कुछ जरूरी ग्रूमिंग टिप्स, सबकी नजरें आप पर ही होंगी

ऐसा कैसे, आप यही सोच रहे हैं न। लेकिन ये सही है कि आप तैयार नहीं हैं। पार्टी में जाने के लिए आपको प्री पार्टी ग्रूमिंग करनी होगी। ताकि पार्टी में सबकी नजरें बस आप पर ही हों। इसके लिए आपको कुछ खास ग्रूमिंग टिप्स आजमाने होंगे। ये टिप्स आजमाकर आप सबका दिल जरूर जीत लेंगे।

पार्टी से पहले करें ग्रूमिंग

ग्रूमिंग पर बहुत ध्यान देते हैं तो पार्टी से पहले खासतौर पर इस पर ध्यान दीजिए। आपको क्या-क्या करना होगा, जान लीजिए-

एक दिन पहले एक्सफोलिएट

कम से कम कोशिश में ज्यादा से ज्यादा फायदा देने के लिए एक्सफोलिएट किया जाना चाहिए। एक्सफोलिएशन के बाद स्किन सच में फ्रेश सी हो जाती है।
इससे डेड स्किन हटती है तो स्किन में बसी गंदगी भी बहर हो जाती है। टॉक्सिन निकलते ही स्किन फ्रेश-फ्रेश हो जाती है। इसके लिए बिलकुल थोडा सा स्क्रब लें। अब इससे

फोरहेड, गाल, चिन और नाक पर उंगली की टिप से मसाज करें। हालांकि इस दौरान आंखों के नीचे के एरिया पर ये मसाज न करें।

नया हेयर कट करवा लीजिए

पार्टी में जाने से पहले हेयर कट जरूरी होता है। ये जरूरी इसलिए होता है क्योंकि आपका लुक अचानक से अच्छा लगने लगता है।
इसके लिए बस कीजिए इतना कि बालों के साथ कोई अनोखा प्रयोग मत कीजिए। सेफसाइड हेयरस्टाइल ही अपनाइए। इससे लोगों को आपका लुक अचानक से बदला हुआ लगेगा। आपका लुक उन्हें बिलकुल फ्रेश लगने लगेगा। बस यहीं पर सबकी नजरें आप पर ठहर जाएंगी।

छोटी बातें, पते की बातें

अक्सर पुरुष बाल, कपड़े और हेयर स्टाइल के साथ स्किन पर भी ध्यान देते हैं लेकिन बहुत छोटी बातों को ऐसे ही छोड़ देते हैं। ये छोटी-छोटी बातें हैं, नाखून, कान या नाक से बाहर आते बाल।
इन छोटी ग्रूमिंग पर भी ध्यान दीजिए। ताकि आपका लुक बिलकुल परफेक्ट हो सके। आपको इस दौरान कपड़ों की डिटेल पर भी ध्यान देना होगा, जैसे उन्हें किसी तरह की मरम्मत की जरूरत तो नहीं है।

थोड़ा बहुत मेकअप

आजकल पुरुष भी मेकअप करते हैं। ये मेकअप आप भी कीजिए। लेकिन उस दिन मेकअप के खराब होने की संभावना बिलकुल न हो इसलिए आप एक दिन पहले मेकअप करके देख लें। समझ लें कि आपको कैसा लुक चाहिए और आप इसके लिए किस तरह का मेकअप कर सकते हैं।

लंबे समय तक चलने वाले डियो

पार्टी में जाने से पहले आप ऐसे डियो का इस्तेमाल करें जो लॉन्ग लास्टिंग हों। जिनके साथ आप काफी देर तक फ्रेश महसूस कर पाएं। सैंडलवुड, मास्क, पचौली जैसे इंग्रीडिएंट्स से बने डियो लंबे समय तक महक देते हैं। इस वक्त एक नियम ध्यान रखें कि कलाई और गले पर इन्हें ना डालें। इसकी जगह चेस्ट, बाईसेप जैसी जगहों पर डियो डालें।